mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-303 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
04 नवंबर 2024 सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

# दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रिटेन होने पर ...
@ पेज 7

# भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन लद्दाख में शुरू

## मंगल ग्रह और चंद्रमा जैसे वातावरण में होगा यह परीक्षण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन लद्दाख के लेह से शुरू हो गया है। इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने इस मिशन के तहत अंतरग्रहीय आवास में जीवन का अनुभव करना शुरू किया है, ताकि भविष्य में चंद्रमा पर मानव भेजने की योजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा सके। एनालॉग मिशन का मकसद पृथ्वी पर चंद्रमा और मंगल जैसे वातावरण में जीवन की चुनौतियों का सामना करना और उससे निपटने का अभ्यास करना है। एनालॉग स्पेस मिशन ऐसे परीक्षण हैं जो पृथ्वी पर उन स्थानों पर किए जाते हैं, जिनकी स्थिति चरम अंतरिक्ष वातावरण से भौतिक रूप से काफी मिलती-जुलती है। ये परीक्षण अंतरिक्ष उड़ान अनुसंधान में आने वाली दिक्कतों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लद्दाख को इस मिशन के लिए खासतौर पर इसलिए चुना गया है क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति ठंडी, शुष्क जलवायु, बंजर भूमि और ऊंचाई मंगल और चंद्रमा की स्थितियों से काफी मेल खाती है। इस वातावरण में रहने की तकनीकों को टेस्ट किया जा सकता है।

### कई संगठनों के सहयोग से शुरू किया मिशन

इसरो ने इस मिशन को कई संगठनों के सहयोग से शुरू किया है, जिसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र,एएकेए स्पेस स्टूडियो, लद्दाख विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद शामिल हैं। अक्टूबर के मध्य में शुरू किया गया यह मिशन एक महीने तक चलेगा। इस दौरान मिशन में एक कॉम्पैक्ट, फुलाए जाने योग्य आवास हब-1 का परीक्षण किया जाएगा, जिसमें हाइड्रोपोनिक्स फार्म, रसोई और अन्य आवश्यक सुविधाएं हैं। इसरो ने इसे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया। लद्दाख की ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर समुद्र तल के मुकाबले काफी कम है। यहां का ऑक्सीजन स्तर समुद्र तल का सिर्फ 40 फीसदी है, जो मंगल जैसी स्थितियों का अनुकरण करने में मदद करता है। इस माहौल में एएकेए स्पेस स्टूडियो की टीम जीवन समर्थन प्रणालियों और पर्यावरणीय सूट का परीक्षण कर रही है, जो भविष्य में अंतरग्रहीय मिशनों के लिए अहम होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### 2025 में देश की जनसंख्या 146 करोड़ होने की संभावना

- राष्ट्रीय जनगणना अगले साल शुरू होकर 2026 की शुरुआत में खत्म होगी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** साल 2025 में भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.9 फीसदी रहेगी। 2025 में भारत की जनसंख्या 146 करोड़ होने की संभावना है। संयुक्त राष्ट्र सोशल-इकोनॉमिक एजेंसी ने अप्रैल 2023 में भारत की आबादी चीन के बराबर 142 करोड़ होने या इससे ज्यादा होने का अनुमान जताया था। एजेंसी के मुताबिक भारत में 2035 तक उत्पादकता में इजाफा होगा। इसका कारण है कि गैरकामकाजी आबादी (15 साल से कम और 64 से अधिक) की कामकाजी आबादी (15 से 64 साल) पर निर्भरता अगले 11 साल तक लगातार घटने के आसार हैं। नेशनल सेंसस यानी राष्ट्रीय जनगणना अगले साल 2025 से शुरू होगी।

### मॉर्डन डेटा क्रैक नहीं कर पा रहीं सरकारी जांच एजेंसियां

- केंद्र सरकार को डिजिटल फॉरेंसिक सर्विस प्रोवाइडर्स की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार डिजिटल फॉरेंसिक सर्विस प्रोवाइडर्स तलाश रही है। ऐसे विशेषज्ञों को ढूंढ़ा जा रहा है जो पासवर्ड बाइपास कर मोबाइल का डेटा पाने में सक्षम हों। साथ ही वॉट्सऐप-टेलीग्राम जैसी मैसेज सर्विस के एन्क्रिप्टेड मैसेज रीड कर सकें। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि अल्ट्रा मॉर्डन मोबाइल हैंडसैट, लैपटॉप और क्लाउड में छिपा डेटा क्रैक करना और मैसेज के एन्क्रिप्शन समझना जांच एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। इन सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए कंपटिशन कमीशन ऑफ इंडिया के जरिए टेंडर निकाला गया है। मांग की गई है कि डिजिटल फॉरेंसिक सर्विस प्रोवाइडर के पास एक्सपर्ट्स की बड़ी टीम होनी चाहिए। जिसमें कम से कम 15 प्रोफेशनल्स हों। विदेशी कंपनियों की बात करें तो इजराइल की सेलब्राइट मोबाइल पिन, पासवर्ड बाइपास कर सकती है। रूस की कंपनी ऑक्सीजेन का सॉफ्टवेयर डिटेक्टिव भी एन्क्रिप्शन तोड़ सकता है। तीन नए कानूनों के बाद इनकी भूमिका अहम हो गई है।

# हाथ में भाला-त्रिशूल, घोड़े पर तलवार लहराते संत

### महाकुंभ 2025: प्रयागराज में इस अंदाज में संतों ने किया प्रवेश, देखते रह गए लोग

- माथे पर भभूत, घोड़े की सवारी, गाड़ी पर ढोल-नगाड़े रहे आकर्षण का केन्द्र

**प्रयागराज (एजेंसी)।** हाथ में भाला-त्रिशूल और माथे पर भभूत। गाड़ी पर ढोल-नगाड़े। घोड़े पर तलवार लहराते संत। कुछ इस अंदाज में महाकुंभ के लिए जूना अखाड़े के साथ ही किन्नर अखाड़े ने प्रयागराज में प्रवेश किया। अब साधु-संत संगम की रेती पर जप-तप करेंगे। संतों की अगवानी करने के लिए भारी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े रहे। जगह-जगह फूल बरसाकर स्वागत किया। लोगों ने किन्नर अखाड़े के संतों के साथ सेल्फी ली। आरती भी उतारी। इतना ही नहीं, अफसरों ने भी साधु-संतों का माला पहनकर स्वागत किया। किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने कहा- दिवाली और छठ की वजह से किन्नर अखाड़े के कुछ सदस्य अभी नहीं पहुंच पाए हैं। धीरे-धीरे वो भी पहुंचेंगे। आज हम लोग महामंडलेश्वर के साथ नगर प्रवेश कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही अखाड़े के साधु-संत शहर के बाहर अंदावा के पास स्थित एक आश्रम आ पहुंचे थे। यहां धीरे-धीरे इकट्ठा हुए। अब आज इनका नगर प्रवेश हुआ। श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता और दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिंदू यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया- महाकुंभ में देश-विदेश से लाखों संत और करोड़ों भक्त पहुंचेंगे। महामंडलेश्वर महेंद्र नंद गिरी ने बताया- महाकुंभ महापर्व के दौरान किसी प्रकार का कोई विघ्न ना आए। किसी को कोई परेशानी ना हो। इसके लिए आज यानी रविवार को ही श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़े की ओर से शनिदेव, यमुना और धर्मराज का पूजन किया गया। नगर प्रवेश यात्रा अंदावा के रामपुर से शुरू हुई।

# मनरेगा में हुआ 'खेला'! करोड़ों का लगा पलीता

### मंत्रालय की जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, दर्ज हुए कई केस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की आंतरिक लेखा परीक्षा शाखा की हालिया रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में करोड़ों रुपए के नुकसान की बात सामने आई है। इसमें तमिलनाडु, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कई जिलों में कुल 35.37 करोड़ रुपए के वित्तीय हानि का खुलासा किया गया है।

अकेले तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में 34.02 करोड़ रुपए, राजस्थान के नागौर में 1.09 करोड़ रुपए, और मध्य प्रदेश के मुरैना में 26 लाख रुपए का नुकसान बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह निष्कर्ष 2023-24 की वार्षिक प्रदर्शन लेखा समीक्षा का हिस्सा है, जो ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक कार्यालय द्वारा साझा की गई है। इस अवधि में आईएडब्ल्यू ने पूरे देश में 92 ग्रामीण विकास कार्यों का ऑडिट किया। इन कार्यों में एमजी-एनआरईजीएस, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शामिल हैं। मणिपुर के फेरजावल जिले में पीएमएवाई-जी के तहत 5.20 लाख रुपए की वित्तीय हानि पाई गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि आईएडब्ल्यू ने गुजरात, सिक्किम, मणिपुर, ओडिशा, केरल, हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार में कई कार्यों में अनधिकृत और गैरजरूरी खर्चों के केस दर्ज किए हैं। इन राज्यों में ऐसे बेकार खर्च का कुल मूल्य 15.20 करोड़ रुपए बताया गया है। इस प्रकार के व्यय को योजनाओं के उद्देश्यों के विरुद्ध माना गया है।

### विदेश मंत्री ने कहा-मल्टीपावर दुनिया में मित्रता अकेली नहीं रही

# दुनिया के कुछ देश दूसरों की तुलना में ज्यादा जटिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि नई दिल्ली खुद को वैश्विक मित्र के रूप में स्थापित करते हुए अधिक से अधिक देशों के साथ मित्रता करना चाहती है। भारत की 'विश्वमित्र' स्थिति का मोटिव दुनिया भर में मित्रता विकसित करना है। आज की उभरते मल्टीपावर दुनिया में मित्रता अकेली नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि कुछ वैश्विक पार्टनर (देश) दुनिया के दूसरे पार्टनर्स की तुलना में ज्यादा जटिल हो सकते हैं, क्योंकि वे हमेशा म्यूचुअल रिस्पेक्ट के कल्चर या डिप्लोमेटिक शिष्टाचार के लोकाचार को शेयर नहीं कर सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि एक राष्ट्र जिसे स्वतंत्रता माना जाता है, उसे दूसरे देश के हस्तक्षेप के रूप में देखा जा सकता है। संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के बारे में संवेदनशीलता इंटरनेशनल पार्टनर्स के आंकलन में जरूरी बनी हुई है। विदेश मंत्री ने ये बातें दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में कही। वे यहां लेखक श्रीराम चौलिया की किताब 'फ्रेंड्स-इंडियाज क्लोजेस्ट स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स' के विमोचन पर पहुंचे थे। एक के लिए स्वतंत्रता है, वह दूसरे के लिए हस्तक्षेप जयशंकर ने कहा, हमने समय-समय पर अपने घरेलू मुद्दों पर टिप्पणियां देखी हैं। हालांकि, दूसरे पक्ष (देश) को शायद ही कभी वही शिष्टाचार दिया जाता है। जो एक के लिए स्वतंत्रता है, वह दूसरे के लिए हस्तक्षेप बन सकता है। तथ्य ये है कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता जैसी संवेदनशीलताएं हमेशा भागीदारों (पार्टनर्स) के मूल्यांकन में एक वजह होगी। भारत विश्वमित्र, रूढ़िवादी सभ्यता नहीं उन्होंने कहा कि नई दिल्ली खुद को वैश्विक मित्र के रूप में स्थापित करते हुए अधिक से अधिक देशों से मित्रता करना चाहती है।

# कुमारी सैलजा को बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी

### वेणुगोपाल की जगह कांग्रेस में संगठन महासचिव बन सकती हैं

**करनाल (एजेंसी)।** हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कद कमजोर पड़ते दिखाई दे रहा है। कुमारी सैलजा के समर्थक भी लगातार हुड्डा ग्रुप पर हार का ठीकरा फोड़ रहा है। इसके बाद कांग्रेस हाईकमान अपना हर कदम फूंक फूंक कर रख रहा है। महाराष्ट्र व झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस बड़ा बदलाव करने के मूड में नजर आ रही है। सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा को कांग्रेस बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। चर्चाएं है कि उन्हें राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बनाया जा सकता है। अभी तक यह जिम्मेदारी केसी वेणुगोपाल संभाल रहे हैं। इन चर्चाओं को तब और हवा मिली, जब 29 अक्टूबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी हुई। अमूमन इस तरह की लिस्ट केसी वेणुगोपाल की तरफ से ही जारी की जाती थीं। इस बार कुमारी सैलजा की तरफ से लिस्ट जारी की गई। उसमें हरियाणा से सिर्फ राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला का नाम था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 37 सीट मिलीं। कांग्रेस ने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा था। टिकट के बंटवारे से लेकर स्टार कैंपेनरों की रैलियों तक में हुड्डा की ज्यादा चली।

# यूपी सीएम को जान से मारने की धमकी देने वाली अरेस्ट

**मुंबई (एजेंसी)।** इस वक्त की सबसे बड़ी और हैरान करने वाली खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी दी गई है कि वह 10 दिन के भीतर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे अन्यथा उन्हें भी बाबा सिद्दीकी की तरह मार दिया जाएगा। यह मैसेज एक अज्ञात नंबर से मुंबई के ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल रूम को भेजा गया। इस पर मुंबई पुलिस ने तेजी दिखाते हुए सीएम योगी को धमकी देने के आरोप में एक युवती को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि आरोपी युवती की पहचान फातिमा खान (24) के रूप में की गई है। वह अपने परिवार के साथ महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर इलाके में रहती है। पुलिस ने बताया कि आरोपी छात्रा फातिमा खान ने सूचना प्रौद्योगिकी में बीएससी की है। अधिकारी ने बताया कि उसके पिता का लकड़ी का कारोबार है। पुलिस ने बताया कि युवती पढ़ी-लिखी है लेकिन मानसिक रूप से अस्थिर है।

### महिलाओं को 2100 रुपए महीने और दो मुफ्त सिलेंडर

# झारखंड चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी किया अपना संकल्प पत्र

**रांची (एजेंसी)।** बीजेपी ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। बीजेपी के घोषणा पत्र का नाम संकल्प पत्र है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीजेपी के संकल्प पत्र को जारी किया। अमित शाह ने संकल्प पत्र जारी करने के दौरान कहा कि बीजेपी जो कहती है, वह करती है। भाजपा अपने वादों को पूरा करती है। बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में भूमि, रोटी और बेटी की सुरक्षा का वादा किया है। बीजेपी ने झारखंड में महिलाओं के लिए 'गोगो दीदी योजना' शुरू करने की बात कही है। सरकार बनने पर हर महीने की 11 तारीख को महिलाओं को 2100 रुपये सरकार बनने पर मिलेगा। वहीं दीपावली और रक्षाबंधन पर एक-एक गैस सिलेंडर मुफ्त मिलेगा और 500 रुपये की कीमत पर गैस सिलेंडर दिया जाएगा। भाजपा ने झारखंड में 5 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन करने की बात कही है। वहीं 3 लाख सरकारी पदों पर निष्पक्ष नौकरी देगी।

संक्षिप्त समाचार

## ग्वालियर मेले की तैयारियां जोर-शोर से शुरू

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला की तैयारियाँ जोर-शोर से जारी हैं। संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री मेले की तैयारियों पर स्वयं नजर रख रहे हैं। संभाग आयुक्त के निर्देश पर मेला की व्यवस्थाओं से संबंधित विभिन्न कार्यों की निविदाएँ विधिवत आमंत्रित की जा चुकी हैं। यह सभी निविदाएँ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आमंत्रित की गई हैं। दैनिक समाचार पत्रों में गत 30 अक्टूबर को इन निविदाओं का प्रकाशन भी हो चुका है। इस बार ऐतिहासिक ग्वालियर मेले का आयोजन 25 दिसम्बर से 25 फरवरी तक होगा। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑनलाइन निविदाएँ 11 नवम्बर को दोपहर 12 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। पोर्टल पर प्राप्त निविदाएँ 12 नवम्बर को दोपहर 12 बजे खोली जायेंगीं। मेला की व्यवस्थाओं से संबंधित कार्यों के ठेके लेने के इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थायें निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पोर्टल पर निविदा की शर्तें उपलब्ध हैं। ग्वालियर व्यापार मेला में टीनशेड, बेरीकेटिंग, माइक, टेंट, टैक्सी, अस्थायी विद्युत फिटिंग, सजावट कार्य व सुरक्षा गार्ड व्यवस्था इत्यादि के ठेके के लिये पोर्टल पर निविदाएँ अपलोड कर दी गई हैं। इसके अलावा फ्लैक्स प्रिंटिंग कार्य, अस्थायी सीसीटीव्ही कैमरा, मंच पर प्रकाश व्यवस्था, सम्पूर्ण मेला परिसर की साफ-सफाई शिल्प बाजार की दुकानें तैयार करने, सीवर संधारण, होर्डिंग, दुपहिया व चार पहिया वाहन पार्किंग, पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम, स्वच्छता परिसरों की साफ-सफाई, पानी की लाइन बिछाने इत्यादि व्यवस्थाओं के संबंध में भी निविदाएँ पोर्टल पर अपलोड की गई हैं। साथ ही विधिवत विज्ञापन भी प्रकाशित कराया गया है।

## प्रतिक्रमण भक्ति के साथ संतों के चातुर्मास का समापन

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** दिगंबर जैन समाज ने भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव मोक्ष कल्याणक के रूप में मनाया। राजधानी के मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना के साथ भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाए गए। इसी के साथ राजधानी में चातुर्मास की साधना कर रहे संतो के चातुर्मास का समापन हुआ। इस अवसर पर आचार्य विनम्र सागर महाराज की उपस्थिति में लालघाटी स्थित नंदीश्वर जिनालय में भगवान महावीर का अभिषेक किया गया। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि जिनालय जयकारों से गूंज उठा। आचार्य श्री ने भगवान महावीर के संदेश जीयो और जीने दो के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ज्ञान का दीपक प्रज्वलित करने से अज्ञान का अंधेरा हट जाएगा और कल्याण सुनिश्चित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि दीपावली पर्व पर भगवान महावीर को मोक्ष प्राप्त हुआ था। इसके साथ ही, चातुर्मास की साधना कर रहे संतों का भी चातुर्मास का समापन हुआ। विभिन्न जैन मंदिरों में भक्ति के साथ सामयिक और प्रतिक्रमण किया गया। अशोका गार्डन जैन मंदिर में मुनि विश्व सूर्य सागर महाराज, शाहपुरा जैन मंदिर में मुनि सुदत्त और मुनि भूदत्त सागर महाराज,चौक मंदिर में आर्यिका गुरुमति माताजी, शंकराचार्य नगर जैन मंदिर में आर्यिका विमलश्री माताजी के सानिध्य में अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके साथ ही नेहरू नगर जैन मंदिर में मुनि आराध्य सागरजी, मुनि सुहित सागर महाराज का पिच्छिका परिवर्तन भी हुआ।

## दिवाली के अगले दिन शाम तक नहीं उठा कचरा

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** सड़क पर कचरे का अंबार, न सिर्फ रोटरी के चारों ओर बल्कि दोनों ओर की सड़क पर कचरा ही कचरा पड़ा है। दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को तो इससे बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ रहा। लेकिन पैदल चलने वालों को कचरे से बच-बचकर निकलना पड़ रहा है। यह नजारा है न्यू मार्केट स्थित बीएसएनएल चौराहा और उसके आसपास का। सुबह से लेकर शाम तक यहां कुछ ऐसे ही हालात रहे। जब इस संबंध में नगर निगम के जिम्मेदारों से बात की गई तो उनका कहना था कि दीवाली पर लगाई गई अस्थाई दुकानों के हटने से यह कचरा फैला है। शाम के बाद यहां निगम का अमला जुटेगा और रात तक सफाई कार्य चलेगा। ऐसा ही नजर शहर के कई बाजारों में शुक्रवार को देखने को मिला। यह स्थिति तब है जब दीवाली के त्यौहार पर नगर निगम सफाई के लिए विशेष अभियान चला रहा है। झाड़ू लगाने से लेकर कचरा उठाने और उसे प्रोसेसिंग के लिए ट्रांसफर स्टेशन के माध्यम से कचरा खंती पहुंचाने युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है। दरअसल दीवाली की खरीदारी को देखते हुए बाजारों में अस्थाई दुकानें लगाई गई थीं। इनमें से अधिकांश दुकानें गुरुवार को दीवाली की शाम तक रहीं। इसके बाद हटना शुरू हो गई थीं। लोगों ने अपनी दुकानें तो हटाईं, लेकिन उनसे निकला कचरा यहीं छोड़ गए। कुछ एक दुकानें शुक्रवार को भी मौजूद थीं। इनके कारण भी कचरा फैला। क्षेत्रीय सफाई अमला इस ओर ध्यान देता और शुक्रवार की सुबह या फिर दिन में सफाई मित्रों को लगाकर हाथ से कचरा उठवाकर साइकल रिक्शा या फिर छोटी गाड़ियों से कचरा ट्रांसफर स्टेशन पहुंचा देते तो लोगों को परेशानी नहीं होती है।

# सनातन संस्कृति की आधारशिला गौ-माता, गोवर्धन और गोविंद -राज्यमंत्री कृष्णा गौर

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि गोवर्धन पूजा का दिन हम सबके जीवन में और हमारी संस्कृति में बड़ा महत्व रखता है। हमारी सनातन संस्कृति की आधारशिला गौ-माता, गोवर्धन और गोविंद ही हैं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के रानी अवंती बाई ट्रांसपोर्ट नगर कोकता में स्थित महामृत्युंजय गौशाला में आयोजित गोवर्धन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गोवर्धन पूजन प्रारम्भ करने की पौराणिक कथा को सुनाते हुए गोवर्धन पूजन का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति का मूल आधार गंगा, गीता, गौ-माता, गोवर्धन और गोविंद हैं। इन पांचो के साथ हमारे जीवन का, हमारी संस्कृति का मूल मंत्र जुड़ा हुआ है, इसलिए हम सब अपने जीवन में मां गंगा, गौ माता, गीता और गोवर्धन पर्वत को महत्व देते हुए उनकी पूजा करते हैं। आज मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गोवर्धन पूजा का आयोजन शासकीय स्तर पर किया जा रहा है। आप सभी को गोवर्धन पूजा की बधाई और शुभकामनाएं। इस अवसर पर विधायक कुंवर टेकराम, विधायक प्रतिनिधि श्री अशोक गुप्ता, श्री पप्पू व्यास, श्री कन्हैया विश्वकर्मा, श्री प्रदीप लोधी, श्री गणेशराम, पार्षद श्रीमती छाया ठाकुर, श्रीमती ममता मनोज विश्वकर्मा, श्री शिरोमणि शर्मा और सुश्री उर्मिला मौर्य मौजूद रहे।

## मध्य प्रदेश के सभी आठ हजार हायर सेकंडरी स्कूलों में शुरू किया जाएगा कृषि संकाय

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अगले सत्र से कृषि संकाय शुरू किया जाएगा।जिस तरह से कला, विज्ञान व कामर्स संकाय संचालित है। उसी तरह अब कृषि संकाय भी होगा।वर्तमान में प्रदेश के 18 सरकारी स्कूलों में कृषि संकाय का पाठ्यक्रम संचालित है। इसे अगले सत्र से करीब आठ हजार हायर सेकेंडरी स्कूलों में शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने संकाय को शुरू करने के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन करने के निर्देश दिए हैं। यह पाठ्यक्रम उन स्कूलों में प्रारंभ होगा, जिनके पास एक से डेढ़ बिगहा भूमि है।वहीं, जिन स्कूलों के पास कृषि के लिए भूमि नहीं होगी।वहां आसपास के किसानों से अनुबंध (एमओयू) करवाया जाएगा, ताकि विद्यार्थी वहां जाकर प्रैक्टिकल कर सकें। मप्र को कृषि प्रधान राज्य माना जाता है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि सरकारी स्कूलों में कृषि और उससे संबद्ध विषय उद्यानिकी, मत्स्य पालन, डेयरी, पशुपालन आदि विषयों की पढ़ाई आरंभ किया जाए। स्कूल स्तर पर इस संकाय को प्रारंभ करने के लिए शिक्षाविदों, शिक्षकों, स्वयंसेवी संस्था और विषय-विशेषज्ञों की टास्क फोर्स गठित की कई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने आगामी शैक्षणिक सत्र से लगभग आठ हजार हायर सेकेंडरी स्कूलों में कृषि और उससे संबद्ध विषय प्रारंभ करने की तैयारी शुरू कर दी है। सभी जिलों को स्कूल चिन्हित करने के लिए कहा गया है। इसमें उन स्कूलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके पास एक से डेढ़ बिगहा भूमि है।यदि कोई ऐसा स्कूल है,जहां इस विषय को प्रारंभ करना है, लेकिन स्वयं की भूमि नहीं है। वहां स्कूल के आस-पास के किसानों के साथ अनुबंध किया जाएगा ।

जिन स्कूलों में 70 विद्यार्थी होंगे।उसी स्कूल में कृषि संकाय खोला जाएगा। साथ ही कृषि विषय को पढ़ाने के लिए शिक्षकों को भर्ती की जाएगी। साथ ही विशेषज्ञों को भी रखा जाएगा।

रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा

## छठ पर्व के लिए पश्चिम मध्य रेल से गुजरेगी छह स्पेशल ट्रेनें

भोपाल। त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन सेवा चलाने का निर्णय लिया है। पश्चिम मध्य रेल से छह स्पेशल ट्रेनें गुजरने वाली वाली है। यह ट्रेन 20 नवंबर तक चलेगी, जो कि भोपाल मंडल के भोपाल और इटारसी स्टेशन से होकर जाएगी। 05185 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 2 नवंबर एवं 9 नवंबर को शनिवार सुबह 05:30 बजे छपरा से प्रस्थान करेगी और सोमवार सुबह 10:30 बजे यशवंतपु पहुंचेगी। 05186 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 4 नवंबर एवं 11 नवंबर को प्रत्येक सोमवार को रात 10:40 बजे यशवंतपु से प्रस्थान करेगी और बुधवार रात 11:55 बजे छपरा पहुंचेगी। 07617 स्पेशल ट्रेन 04, 11 नवंबर एवं 18 नवंबर को प्रत्येक सोमवार रात 11:15 बजे काचीगुडा से प्रस्थान करेगी और बुधवार सुबह 4:40 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। 07618 स्पेशल ट्रेन 06, 13 नवंबर एवं 20 नवंबर को प्रत्येक बुधवार सुबह 8:20 बजे हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान करेगी

और गुरुवार सुबह 11:45 बजे काचीगुडा पहुंचेगी। 06237 स्पेशल ट्रेन सोमवार 4 नवंबर को रात 9:15 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु से प्रस्थान करेगी और बुधवार रात 8 बजे बरौनी पहुंचेगी। 06238 स्पेशल ट्रेन शनिवार 9 नवंबर को सुबह 10 बजे बरौनी से प्रस्थान करेगी और सोमवार दोपहर 1:30 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु पहुंचेगी। भोपाल। रेलवे ने भुसावल-कटनी-भुसावल ट्रेन को 15 ट्रिप कटनी साउथ स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट करने का निर्णय लिया है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार रेलवे ने

## प्रदेश में चलाया गया स्वच्छ सरोवर अभियान

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) अंतर्गत प्रदेश की नगरीय निकायों में एक दिवसीय अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इस श्रखंला में शनिवार को स्वच्छ सरोवर अभियान प्रदेश की सभी 413 शहरी निकायों में चलाया गया। आने वाले दिनों में नगरीय निकायों में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 होना है। इसके लिये जमीनी स्तर पर तैयारी की जा रही है। संपूर्ण प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई और सौदर्यीकरण के साथ-साथ जलीय संरचनाओं की साफ-सफाई की गई। संचालनालय नगरीय प्रशासन द्वारा जारी निर्देशानुसार शनिवार को प्रदेश की सभी नगरीय निकायों में नागरिकों की सहभागिता से स्वच्छ सरोवर अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत शहरी सीमा में स्थित जलीय संरचनाओं एवं उसके आसपास साफ-सफाई की गई। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में ज्यादा आवाजाही वाले स्थानों पर डस्टबिन स्थापित किये गये। पहले से स्थापित डस्टबिन का रख रखाव किया गया। इसके साथ ही प्लास्टिक प्रतिबंध के संदेश एवं वॉल पेंटिंग कर स्वच्छता के संदेश लिखें गए। शहरी क्षेत्रों में जलीय संरचनाओं के किनारे कचरे को साफ कर सौंदर्यीकरण किया गया।

जलीय संरचनाओं के आस पास रहवासियों एवं दुकानदरों को अभियान में शामिल किया गया। उन्हें जल संरचनाओं के आसपास सफाई रखने के संबंध में जानकारी दी गई। संरचनाओं के आस-पास कुछ निकायों द्वारा वेस्ट-टू-आर्ट के तहत विभिन्न प्रकार की आकृतियाँ तैयार कर स्थापित की गई। इस अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधि, युवा, नगरीय निकायों की टीम एवं नागरिकों की सहभागिता से अभियान अंतर्गत गतिविधियों का आयोजन किया गया।

## मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीन सदस्यीय जांच दल ने उमरिया घटना स्थल का लिया जायजा

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर वन राज्य मंत्री श्री दिलीप सिंह अहिरवार, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल और मुख्य वन संरक्षक, वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव ने उमरिया जिले के बांधवगढ़ में टाइगर रिजर्व में हाथियों की मृत्यु के घटना स्थल पर शनिवार को पहुँचकर मौका मुआयना किया। वन राज्य मंत्री श्री अहिरवार ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर तीन सदस्यीय दल की जांच कमेटी गठित की गई। समिति ने शनिवार को घटना स्थल पर जाकर हालात का जायजा लिया। विभिन्न पक्षों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है। श्री अहिरवार ने कहा कि पोस्टमार्टम के लिये सेम्पल सागर एवं जबलपुर लैब में भेजे गये है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की सही जानकारी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि सभी जानकारियों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। श्री अहिरवार ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई भी की जायेगी। वन राज्य मंत्री श्री अहिरवार ने शनिवार सुबह हाथियों के हमले में दो लोगों की असामयिक मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार मृतकों के परिजन को 8-8 लाख रूपये की अनुग्रह राशि प्रदान करने निर्देश दिये है। अपर मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव श्री एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि शनिवार सुबह 2 लोगों की हाथी के हमले से मृत्यु हो गई है। एक घटना उमरिया जिले के चंदिया तहसील के बांका गांव के पास बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोकर बफर रेंज के जंगल में हुई है।

## दिवारी गीत गाते हुए ढोलक की थाप पर खुद को नहीं रोक पाए खाद्य मंत्री, जमकर किया नृत्य

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** गोवर्धन पूजा हमारी सांस्कृतिक धार्मिक संपन्नता का प्रतीक है। यह पूजन हमारा और प्रकृति का संबंध दिखाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप संपूर्ण प्रदेश में गोवर्धन पूजा एवं गौ-पूजा के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं ताकि नागरिकों को सनातन परंपरा और संस्कृति से जोड़ा जा सके। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर में जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति द्वारा आयोजित जिला स्तरीय गोवर्धन पूजा एवं गौ-पूजा कार्यक्रम के दौरान आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन केंद्र रतौना जिला सागर में कही। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि गोवर्धन पूजा एवं गौ-पूजा प्राचीन समय से होती आ रही

है । सरकार ने इसे शासकीय तौर पर पूरे प्रदेश में आयोजित कर लोगों के लिए पुरातन परंपराओं और हमारी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य किया है। गौ-माता में सभी देवताओं का वास होता है। गाय की सेवा से सभी देवताओं की पूजा हो जाती है। उन्होंने कहा मध्यप्रदेश सरकार लगातार सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता करके हमारी सनातनी परंपराओं और संस्कृति का प्रचार प्रसार कर रही है। दशहरा पर शस्त्र पूजा आरंभ कराई गई। मंत्री श्री राजपूत में कहा कि आचार्य विद्यासागर भगवान थे। उनके चरण जहां पड़े वहां का उद्धार होता रहा है ।आचार्य जी ने सागर के लिए बहुत कुछ दिया है। आज हमें उनके पद चिन्हों पर चलकर सागर के विकास को आगे बढ़ाना है। सागर विधायक श्री शैलेंद्र जैन ने कहा कि गोवर्धन पूजा अब शासकीय कार्यक्रम के रूप में पूरे प्रदेश में आयोजित की गयी है, ताकि लोग हमारी परंपराओं से जुड़ें। आने वाली पीढ़ी को भी हमारी परंपराओं की जानकारी हो सके। नरयावली विधायक श्री प्रदीप लारिया ने कहा कि हमारी संस्कृति में पेड़, पत्थर पहाड़ सभी पूजे जाते हैं। गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति का अनुपम उदाहरण है कार्यक्रम के दौरान खाद्य मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने दिवारी गीत गाकर जमकर नृत्य किया। मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत के इस अंदाज से कार्यक्रम में शामिल सभी लोग अति उत्साहित हुए और सभी ने मंत्री राजपूत के साथ नृत्य करते हुए गोवर्धन पूजा को परंपरा अनुसार धूमधाम से मनाया। मंत्री श्री राजपूत ने सभी को दीपावली व गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी।

## भव्यता के साथ मनाया जायेगा लोक आस्था का महापर्व-मंत्री श्री सारंग

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर बने छठ पूजन सूर्य कुंडों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने अन्ना नगर शाखा ग्राउंड, सुभाष नगर दुर्गा मंदिर, एकतापुरी पार्क, राजेंद्र नगर, संजीव नगर पर तैयार किये जा रहे छठ पूजन स्थलों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने जल कुंडों की साफ-सफाई, स्वच्छता, शुद्ध जल व पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था एवं छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने छठ कुंडों की सुंदरता बढ़ाने

फ्लोटिंग फाउंटेन लगाने की भी घोषणा की। निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम, राजस्व, विद्युत एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा में प्रत्येक वर्ष छठ का त्यौहार बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। नरेला विधानसभा में छठ पूजा के लिये सूर्य कुण्डों का निर्माण कर घाटों का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पूजन के दौरान व्रतियों के लिये छठ घाटों पर सुविधा एवं सुरक्षा का ध्यान रखते हुए व्यवस्था की जा रही है, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। पूरी तैयारी के बाद पूजा स्थलों पर भव्यता के साथ छठ पूजा की जायेगी। मंत्री श्री सारंग ने छठ कुंडों के सौंदर्यीकरण के लिये फ्लोटिंग फाउंटेन लगाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि छठ कुंडों के उन्नयन व सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से फ्लोटिंग फाउंटेन लगाये जायेंगे। छठ पूजन कुंडों का सदुपयोग करते हुए उनमें फ्लोटिंग फाउंटेन लगाये जायेंगे। यह फाउंटेन पूजन के समय कुंड से निकाल लिये जायेंगे। वहीं पूजन के बाद उन्हें वापस लगा दिया जायेगा। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि छठ पूजा के अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलायें पूजन में शामिल होती हैं। ऐसे में महिलाओं की सुविधा के लिये छठ घाटों के समीप अस्थाई चैंजिंग रूम लगाये जायेंगे।

# ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई हुई ठप्प, जिम्मेदारों की अनदेखी से हादसे का डर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र।** जिले में ओवर लोड वाहनों पर अंकुश नहीं लगने के कारण क्षेत्र में प्रतिदिन धड़ल्ले से ओवर लोड वाहन चल रहे हैं। वहीं परिवहन विभाग व पुलिस विभाग द्वारा इस संबंध कोई ठोस कदम नहीं उठाने के कारण क्षेत्र में दिनों दिन ओवर लोड वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। अधिकारियों द्वारा ओवर लोड वाहनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। ओवरलोड वाहनों से आए दिन हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद भी अधिकारियों द्वारा इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

हद तो तब हो जाती है जब कोतवाली थाना क्षेत्र, जमोड़ी थान क्षेत्र से प्रतिदिन सैकड़ो ओवरलोड वाहन फर्राटा मारते हुए निकलते हैं और पुलिस मूक वधिर बनी रहती है। ये अलग विषय है कि कभी कभार ऊपर से दबाव पड़ने पर जिला परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा खाना पूर्ति के लिये ओवरलोड वाहनो पर दिखावे के लिये कार्रवाई की जाती है। सीधी में चल रहे रेत के खेल की अगर बात करें तो कई वाहन चालक पहले अपने वाहन में क्षमता से अधिक रेत भरते हैं। उस पर भी ये अपने वाहन में रेत को ढ़कने के लिये मैट का उपयोग नही करते हैं जिसके चलते जब ये नेशनल हाइवे एवं स्टेट हाइवे में फर्राटा मारते हैं तो हवा के साथ रेत भी उड़ती रहती है। जिसके चलते रोड़ में दो पहिया वाहन चालको के आंखो में रेत गिरती है और सड़क दुर्घटनाए घटित हो जाती हैं। जिला प्रशासन द्वारा अपनी ऑखो में पूरी तरह से पट्टी बांध ली गयी है। जिसके चलते ओवर लोड वाहनों पर अंकुश नहीं लग रहा है और दिनों दिन वाहनों की संख्या बढ़ रही है।

सिर्फ खानापूर्ति के लिए चलते हैं अभियानपरिवहन विभाग व पुलिस विभाग द्वारा चलाए जाने वाले सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम केवल दिखावे तक में ही समाप्त हो जाते हैं। वहीं ज्यादातर कार्यक्रम बंद कमरो में आयोजित किये जाते हैं जिसका रेत माफिया, खनिज माफिया एवं ओवरलोड़ कर फर्राटा मारने वालों से कोई सरोकार नही होता है। सुरक्षा एवं सावधानी को ध्यान में रखते हुए जबाबदेह विभागो द्वारा केवल आदेशो की खानापूर्ति की जाती है। अधिकारियों द्वारा अभियान के समय वाहन चालकों हिदायत देकर आदेशों की इतिश्री कर देते है।

## 2 लाख की 412 लीटर अवैध शराब के साथ 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

**मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र।** पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एंव थाना प्रभारी अमिलिया निरीक्षक राजेश पाण्डेय के नेतृत्व में अमिलिया पुलिस ने अवैध शराब विक्रेता के ऊपर कार्यवाही कर 412 लीटर अवैध शराब के साथ 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार। मिली जानकारी के आधार पर बताया गया कि थाना प्रभारी अमिलिया को 2 नवम्बर 24 को रात्रि गस्त के दौरान मुखविर के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम सोनबर्षा का प्रवेश द्विवेदी एवं दिवाकर द्विवेदी अपने घर में भारी मात्रा में अवैध शराब रखा हैं। थाना प्रभारी अमिलिया द्वारा उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाकर सूचना की तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु स्वयं के नेतृत्व में एक टीम गठित कर रवाना हुये, जो टीम द्वारा मौके से पहुंच कर मुखबिर के बताएं अनुसार ग्राम सोनवर्षा के प्रवेश द्विवेदी एवं दिवाकर द्विवेदी के घर की तलाशी ली गई। जो घर के अंदर 46 नग खाकी कलर के कागज के कार्टून में देसी प्लेन एवं अंग्रेजी मदिरा का होना पाया गया। जिन्हें खोल कर देखा गया जिसमे 41 पेटियों में देसी प्लेन मदिरा कुल 369 लीटर कीमती लगभग 1 लाख 44 हजार, 2 पेटियों में एमडी अंग्रेजी व्हिस्की कुल 17.28 लीटर कीमती लगभग 24 हजार, 2 पेटियों में ऑफिसर चॉइस 17.28 लीटर कीमती लगभग 16320, 1 पेटी में मैकडॉवेल रम 8.46 लीटर कीमती लगभग 8 हजार रूपये कुल 412 लीटर कीमती 1 लाख 92 हजार जब्त हुई। जिसके संबंध में आरोपियों से वैद्य दस्तावेज की मांग की गई, जो वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। आरोपियों का उक्त कृत्य धारा 34/2 आबकारी एक्ट के तहत दंडनीय पाए जाने पर मामला पंजीबद्ध कर आरोपियों के कब्जे से 46 पेटी अवैध शराब कुल 412 लीटर कीमती लगभग 1 लाख 92 हजार को जप्त कर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है ।

## विन्ध्य की प्रतिभाओं का भोपाल में होगा सम्मान

**मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र।** बघेल खंड सांस्कृतिक भवन ट्रस्ट द्वारा बघेलखंड भवन भोपाल में 5 नवंबर 24 को विन्ध्य क्षेत्र की उन प्रतिभाओं का सम्मान किया जा रहा है, जो संघ लोक सेवा आयोग, प्रदेश लोक सेवा आयोग तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से चयनित होकर प्रदेश में विभिन्न पदों पर पदस्थ हैं। इसके साथ ही उन प्रतिभाशाली उदीयमान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में विशेष मुकाम हासिल किया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रहेंगे तथा पूर्व मंत्री और पूर्व नेता प्रतिपक्ष तथा विधायक अजय सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।यह एक ऐसा संक्रमण काल का दौर है, जब विद्यार्थियों को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है और सरकारी नौकरी पाना दिन प्रतिदिन बहुत कठिन होता जा रहा है। ऐसे समय में अच्छे अंकों से पास होना और फिर नौकरी के लिए चयन होना एक बहुत बड़े गौरव की बात है। इससे विंध्य का नाम रोशन हुआ है। सम्मानित करने के लिए बघेलखंड के निवासी आमंत्रित अधिकारियों में संघ लोक सेवा आयोग से चयनित नौ अधिकारी, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित होने वाले नौ डिप्टी कलेक्टर, दो उप पुलिस अधीक्षक तथा जिला कमान्डेंट होमगार्ड, पन्द्रह नायब तहसीलदार, दो असिस्टेंट ट्रेजरी आफिसर, तीन सहायक संचालक स्कूल शिक्षा, पांच सहायक संचालक उद्योग, दो बीडीओ, सत्रह सिविल जज, दसवीं एवं बारहवीं में मेरिट में आने छात्र और क्रिक्रेट के लिए राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए चुने गये पांच खिलाड़ी शामिल हैं।बघेल खंड सांस्कृतिक भवन ट्रस्ट की स्थापना प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अर्जुन सिंह की प्रेरणा से भोपाल में सेवारत और निवास करने वाले विन्ध्य क्षेत्र के लोगों में आपसी मेल जोल बढाने तथा उनकी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और आगे बढाने के उद्देश्य से किया गया था। इसी तारतम्य में विन्ध्य क्षेत्र की प्रतिभाओं के सम्मान का यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

## चुरहट में पथ संचलन संपन्न

**मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा विजयादशमी उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। विजयदशमी उत्सव के बाद से जिले में अलग अलग विकास खण्डो में क्रमशः पथ संचलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दीपावली के उपरांत रविवार 3 नवंबर 2024 को चुरहट नगर में पथ संचलन का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया।पथ संचलन कार्यक्रम हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण चुरहट स्थित मोहिनी देवी स्टेडियम में हुआ। एकत्रीकरण के उपरांत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन पूरे नगर में किया गया। इस दौरान आगे रथ में भारत माता की झांकी को सजाकर पीछे स्वयंसेवक कदम ताल करते नजर आंए तथा मध्य में भगवा ध्वज लिए स्वयंसेवक चल रहे थे। ध्वज के चारों ओर ध्वज रक्षक दल चल रहा था। नगर भ्रमण करने के उपरांत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समस्त स्वयंसेवक मोहिनी देवी स्टेडियम चुरहट वापस पहुंचे यहां दायित्ववान स्वयंसेवकों का उद्बोधन हुआ और उसके उपरांत भगवा ध्वज की प्रार्थना की गई तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

## चूहामारने की दवा का युवक ने किया सेवन, जिला अस्पताल में भर्ती

**मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र।** युवक ने अज्ञात कारण से चूहा मार दवा का सेवन कर लिया, जिसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। बेहोशी हालत में भर्ती होने के कारण पुलिस कथन दर्ज नहीं कर पाई है।

बताया गया कि सिटी कोतवाली अंतर्गत पड़ैनिया खुर्द गांव निवासी आशीष पिता बृजलाल यादव (26) ने अज्ञात कारण से घर में ही रखी चूहामार दवा का सेवन कर लिया। जिसकी वजह से उसकी हालत गंभीर होने लगी और उसे परिजनों के द्वारा आनन-फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कर दिया गया जहां पर उसका उपचार चल रहा है।

## कार-बस की आमने-सामने की टक्कर

### करीब 50 मीटर बैक दौड़ती रही कार, हादसे के बाद बस लेकर भाग गया ड्राइवर

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र।** सिंगरौली जिले के बरगवां इलाके में शनिवार की शाम बस और कार की टक्कर हो गई। रविवार सुबह इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में बस और कार में सीधी भिड़ंत दिख रही है। वीडियो में दिख रहा है कि बस तेज रफ्तार से सामने से आ रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही कार को इतनी तेज टक्कर मारी की कार 20 से 50 मीटर दूर तक पीछे दौड़ गई। कार चालक ने इसकी शिकायत बरगवां थाने में की है।

**घूमने जा रहा था परिवार, बायपास में हादसा:** कार मालिक सहदेव बैस ने बताया कि उसने ड्राइवर के साथ अपने 2 साल और चार साल के दो बच्चों को शनिवार की शाम लगभग 5 बजे बरगवां बायपास की ओर घूमने के लिए भेजा था। तभी द्विवेदी ट्रेवल्स की बस नेशनल हाईवे से बायपास होते हुए तेज रफ्तार से बैढ़न की तरफ आती दिखी। उसने कार रोकने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बस ने टक्कर मार दी।

**कार का एयर बैग खुलने से बची जान:** टक्कर इतनी तेज थी की ब्रेक लगाने के बाद भी कार 20 से 50 मीटर पीछे चली गई। इस दौरान कार के एयरबैग खुल गए, जिसकी वजह से दोनों बच्चों और ड्राइवर को चोट नहीं आई। हालांकि कार आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।घटना के बाद भी बस ऑपरेटर उपेंद्र दुबे ने कोई भी मदद नहीं की और उनकी बस टक्कर मारने के थोड़ी देर बाद वहां से चली गई, जिसकी शिकायत लिखित तौर पर बरगवां थाने में की गई है।

**पुलिस बोली- ओवर स्पीड की वजह से हादसा:** इस मामले में बरगवां थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि शिकायत की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज से यह बात तो स्पष्ट है कि हादसा अनियंत्रित तेज गति की वजह से हुआ है। पुलिसकर्मी ही बस को जब्त कर थाने लेकर आए हैं। बायपास सकरा है, लेकिन कई बार वाहन अनियंत्रित गति से चलते हैं, जिसकी वजह से ऐसे हादसे से होते हैं।

## बच्चों ने सायकल रैली निकाल कर जेनेरिक दवाओं का बताया महत्व

**मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र।** जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता के लिए पिछले सात माह से मिशन रामबाण चलाया जा रहा है। मिशन रामबाण के अंतर्गत ऋ षिकेश फ उण्डेशन की बाल सेना मोगली पलटन द्वारा हर माह के पहले रविवार को कछुआ चाल साइकल रैली निकाली जाती है। प्रवक्ता सचिन पाण्डेय ने बताया कि इस श्रृंखला में 3 नवम्बर को ये सातवीं साइकल रैली निकाली गयी। रैली गाँधी चौक सीधी से प्रारम्भ होकर अस्पताल चौक, सम्राट चौक, कोतवाली, गल्लामंडी होकर पुनः गाँधी चौक पहुँचकर समाप्त हुयी।

जेनरिक दवाईयां ब्रांडेड दवाओं की तुलना में सस्ती इसलिए होती हैं क्यूँकि जब कोई कंपनी एक नई दवा बनाती है, तो इसके लिए रिसर्च डेवलपमेंट पर पर्याप्त लागत आती है, लेकिन जेनेरिक दवाएं पहले डेवलपर्स के पेटेंट की अवधि समाप्त होने के बाद उनके फार्मूलों और सॉल्ट का उपयोग करके विकसित की जाती है। इसलिए जेनरिक दवा सस्ती होती हैं। जेनरिक दवाईयां पूरी तरह से सुरक्षित, कारगर सभी की पहुंच में और किफ यती हैं। ये भी मनुष्य के शरीर पर पेटेंट दवा के समान ही असर करेगी।

## धोरबंधा में 19 वर्षीष युवक का घर के समीप फॉसी के फंदे पर लटकता मिला शव

**मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र।** भुईमाड़ थाना अंतर्गत धोरबंधा निवासी राजेश जायसवाल पिता रामदयाल जायसवाल उम्र 19 वर्ष जो घर से 50 मीटर दूरी पर आम के पेड़ में नायलोन की रस्सी में फॉसी के फंदे पर लटकता हुआ शव देखा गया। रविवार को धोरबंधा निवासी रमाशंकर पिता रामरक्षा जायसवाल उम्र 34 वर्ष थाना भुइमाड़ आकर जुवानी रिपोर्ट दर्ज कराया कि रविवार को सुबह 7.30 बजे मैं अपने घर पर ब्रश कर रहा था तभी मेरी चाची मालती जायसवाल मुझे बताई कि राजेश आम के पेड़ पर फांसी लगाने के लिये चढा है तभी मैं भाग कर गया तो देखा कि राजेश की मृत्यु हो चुकी है।

सूचनादाता ने बताया कि वह रिस्ते मे मेरा चचेरा भाई था जो आये दिन मेरे चाचा चाची/ अपने माता पिता से पैसे के लिये विवाद करता रहता था। जो पैसे न देने पर पहले भी आत्महत्या करने की धमकी देता था जो आवारा किस्म का लडका था। सूचना के बाद भुईमाड़ पुलिस मौके पर पंहुच कर पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए एवं पोस्टमार्टम के उपरांत शव को परिजनों को सौंप दिया गया। जिसके बाद आगे की विवेचना भुईमाड़ पुलिस द्वारा की जा रही है।

## हर्षोउल्लास के साथ शीतला माता गौशाला सेंगरवार में गोवर्धन पूजा का हुआ आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, त्योंथर निप्र।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गोवर्धन पूजा को वृहद स्तर पूरे प्रदेश में सरकार की सहभागिता के साथ मानने का निर्णय लिया गया इस अवसर पर समस्त गौशाला में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल और जिला पंचायत सीईओ सपना त्रिपाठी के निर्देश और जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक और ब्लॉक समन्वक अमित अवस्थी मार्गदर्शन में सेंगरवार गौशाला में भी गोवर्धन पूजा और गौ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान सूरज विकास समिति सेगरवार के अध्यक्ष शिवाकांत पांडे के द्वारा विधि विधान से मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना की गई इस अवसर पांडे जी ने कहा कि गोवर्धन पूजा, धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि पर्यावरण-संरक्षण, कृषि और पशुधन के प्रति समाज की जिम्मेदारी का भी पर्व हैं। गोवर्धन पूजा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गौ वंश के प्रति श्रद्धा और कृषि से जुड़ी परंपराओं को बनाए रखने का संदेश भी जाता है। इससे स्थानीय समुदाय को एकजुट होकर अपनी परंपराओं को जीवित रखने की प्रेरणा मिलती है। गो वर्धन पूजन और गौ पूजन कार्यक्रम में मुख्यअतिथि ग्राम पंचायत सरपंच अरुणोदय आदिवासी रहे कार्यक्रम के दौरान राजेश कुमार, रुक्मिणी तिवारी, डॉक्टर रघुराज सिंह, विनोद मिश्रा, नीलेश मिश्रा, बृजेश्वर तिवारी, गुलाब सिंह, संतोष सहित गांव के गणमान्य नागरिक रहे मौजूद।

# स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संघ की बैठक एवं ध्वाजारोहण का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र।** सिरमौर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की बैठक सम्पन्न हुई। सर्व प्रथम जयस्तंभ सिरमौर में स्वतंत्रता संग्राम के सम्मान में ध्वाजारोहण हुआ एवं कार्यक्रम के आयोजक जिला कोषाध्यक्ष संतोष सिंह के आवास में सम्पन्न हुई। बैठक में विशेष रूप से जिलाध्यक्ष राजा भैया मिश्रा जिला संयोजक, अनिल सिंह तिवारी, जिला संरक्षक चक्रधर सिंह जवा, प्रसन्न सिंह परिहार जिला सचिव की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। अतिथियों के स्वागत उपरांत आयोजित संगोष्ठी पर चर्चा प्रारंभ हुई।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि आज हमारा जितना भी स्वतंत्रता संग्राम उत्तराधिकारी परिवार हैं, उनको एकत्रित कर उनको संगठित करना हैं। हमारे पूर्वजों ने अपना सर्वस अर्पित कर देश को स्वतंत्रत कराया, आज उनको भुलाया जा रहा हैं। उनके सम्मान हक अधिकार कायम रहें, इसके लिए संगठन को सक्रिय एवं गतिशील बनाना हैं। संरक्षक चक्रधर सिंह जवा ने कहा कि संगठन के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। शीघ्र जवा में भी होगी बैठक।

जिलाध्यक्ष ने सिरमौर ब्लाक की कमेटी का भी गठन किया गया, जिसमें स्वंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन सिरमौर के ब्लाक अध्यक्ष डॉ. डीपी पाण्डेय ब्लाक संयोजक, मास्टर संतोष सिंह, सचिव अजय पाण्डेय उपाध्यक्ष, शिवनारायण सिंह, उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता वेदमणि पाण्डेय उपाध्यक्ष, उदय प्रकाश पाण्डेय, उपाध्यक्ष नरेश प्रसाद पाण्डेय , कोषाध्यक्ष उमाप्रताप सिंह, राजेन्द्र सिंह महासचिव रज्जब खांन सहसचिव व्यास कुमार पाण्डेय बनाये गये।

कार्यकारिणी सदस्य नरेन्द्र सिंह, शीवेन्द्र सिंह, प्रभात पाण्डेय, सतीश चतुर्वेदी, तरूणेन्द्र शेषर पाण्डेय, धर्मराज सिंह, कैलाश प्रताप सिंह, जितेन्द्र सिंह मनोनीत किये गये। विशेष आर्मत्रित सदस्य शिव बहोरन सिंह बैस, पप्पू सिंह बैस, अम्बिका प्रसाद द्विवेदी, मुन्नीलाल वर्मा, सुनील सिंह तोमर, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, कमलेन्द्र सिंह, अनूप सिंह, विपुल सिंह, राहुल सिंह, प्रदीप सिंह, स्वदीप सिंह, अजीत सिंह, रचित सिंह, अर्थव सिंह , हर्षित सिंह आदि की उपस्थिति सराहनीय रही।

# संपादकीय

## जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों से उठते सवाल

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए केंद्र सरकार ने जो भी निर्णय लिए और जो भी कार्रवाई की उसका देश की जनता ने भरपूर साथ दिया। फिर चाहे वह अचानक नोटबंदी का कड़ा फैसला रहा हो या धारा 370 हटाने का सख्त कदम रहा हो। मुल्क के असली मालिकों ने इसे इसलिए सहर्ष स्वीकार कर लिया कि अब जम्मू-कश्मीर समेत देश में आतंकवादी घटनाएं सिरे से खत्म हो जाएंगी और सुख-शांति का पैगाम लिए देश के साथ ही जम्मू-कश्मीर भी तरक्की के रास्ते पर सरपट दौड़ सकेगा। पर अफसोस कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। इन हमलों में आमजन के साथ ही देश के जवान भी शहीद हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना न केवल क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को चिंताजनक बनाता है, बल्कि इससे राजनीतिक स्थिरता पर भी प्रश्नचिन्ह लग जाते हैं। हाल के दिनों में बडगाम, बांदीपुरा और श्रीनगर में आतंकवादियों द्वारा की गईं फायरिंग की घटनाओं ने पुनः इस ओर सोचने पर मजबूर किया है कि आतंकवादियों के खिलाफ चल रहे अभियानों में कहीं कोई बड़ी चूक तो नहीं हुई है। मौजूदा वक्त में जबकि भारत के पड़ोस समेत अनेक देश जंग के मैदान में उतरे हुए हैं, तब हमारे देश की सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी कई चुनौतियां उभरी हैं। ऐसे में इस मामले को महज जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जोड़कर नहीं देखा जा सकता है। आतंकवाद की घटनाओं की पुनरावृत्ति होना वाकई एक गहरी चिंता का विषय है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश की सुरक्षा व गुप्तचर एजेंसियां फेल हुई हैं, बल्कि आतंकवाद को माकूल जवाब देने का सिलसिला भी जारी है। अनेक घुसपैठ और हमलों को नाकाम भी किया गया है। बावजूद इसके जिस तरह से आतंकवादियों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं, वह वाकई चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवानों का हौसला बढ़ाने के लिए उनके बीच दीपावली पर्व मनाने पहुंचे, रक्षा मंत्री भी लगातार हौसला अफजाई करते देखे जाते हैं। ऐसे में आतंकवाद को तो जड़ से खत्म हो ही जाना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं के बढ़ने को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने जो कहा वह भी विचारणीय है। दरअसल फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं को एक संभावित साजिश के तौर पर देखते हैं। उनका कहना है कि इन आतंकी घटनाओं से यह संकेत मिलता है कि हमले केवल आतंकवादियों की गतिविधियां नहीं, बल्कि क्षेत्र की राजनीतिक स्थिरता को अस्थिर करने का प्रयास भी हो सकता है।

# योगी और अखिलेश के लिए बने प्रतिष्ठा का सवाल !

**श्याम यादव**

**उर प्रदेश में इस माह में होने जा रहे 9 विधानसभाओ के उपचुनाव के परिणामों का असर ना तो उर प्रदेश की राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर पड़ने वाला है और ना ही लोकसभा की नरेन्द्र मोदी सरकार पर।फिर भी इन उपचुनाव को भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी दोनों ने ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। कारण भी है कि इन चुनावों में कांग्रेस मैदान में नहीं है और मुकाबला बीजेपी और सामाजवादी पार्टी में है। 13 नवंबर को जिन सीटों पर चुनाव होना हैं, वहां भाजपा ने 9 में से 8 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है जबकि एक सीट एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) को दी गयी है।**

इस मुकाबले में इस बार भाजपा के सामने कांग्रेस नहीं है और उसका मुकाबला समाजवादी पार्टी से ही हो रहा है द्य दरसल लोकसभा 2024 के मुकाबले में समाजवादी पार्टी, इण्डिया गठबंधन के साथ मिल कर चुनाव लड़ी थी और अकेले 37 सीट जीतने वाली समाजवादी पार्टी और उसके नेता अखिलेश यादव इन विधानसभा के उपचुनाव को 2027 के चुनाव का ट्रायल मान कर मैदान में उतारे हैं। चूँकि गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस ने इन चुनावों में समाजवादी पार्टी का समर्थन किया है तो इन सीटों की जीत हार का सेहरा भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सिर ही बंधेंगा! ऐसे में सपा प्रमुख अखिलेश यादव नहीं चाहते होंगे कि भविष्य में भाजपा के खिलाफ बनने वाले इंडिया गठबंधन में उनकी स्थिति (हरियाणा में हुई हार के बाद) भी कांग्रेस जैसी हो जाय। इस कारण ये उपचुनाव न उनकी प्रतिष्ठा का सवाल बने हुए है। दूसरी ओर लोकसभा चुनाव में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के रहते गत लोकसभा से भी कम सीटों मिलने के दंश से उभरने के लिए ये उपचुनाव योगी आदित्यनाथ के लिए एक अवसर के समान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस अवसर को (इन चुनावों का परिणाम) अपने पक्ष में कर, अपना रसूख सरकार और पार्टी में बनाये रखने में कोई कसर छोड़ेंगे ऐसा लगता नहीं है। जिन 9 सीटों पर उप चुनाव हो रहे हैं उनमें 4 पर सपा, 5 एनडीए ने जीती थीद्य योगी आदित्यनाथ अपनी पांचो सीट जीतने के साथ ही समाजवादी पार्टी की 4 सीटें भी भाजपा की झोली में लाने के प्रयास में साम दाम दंड भेद का उपयोग करने से नहीं हिचकिचाएंगे। यदि योगी आदित्यनाथ ऐसा करने में सफल हो जाते हैं तो वे अपने विरोध में उठने वाले हर उस स्वर को दबा देंगे जो लोकसभा के चुनाव में आशा अनुरूप सफलता न मिलने पर उठे थे। इसके दूसरा असर योगी आदित्यनाथ की उस छवि को और अधिक निखार देगा, जो इन दिनों प्रखर हिंदूवादी, फायरब्रांड नेता की बन रही है और दबी जबान योगी को प्रधानमंत्री मोदी का विकल्प बताया जा रहा है। क्योंकि अब योगी आदित्यनाथ केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ही नहीं रहे वे अब भाजपा के राष्ट्रीय प्रचारक होने के हिंदुत्व वादी राजनेता बन कर उभरे है जो यूपी के अलावा अन्य राज्यों में भी प्रचार कर रहे हैंद्य हाल ही में महाराष्ट्र चुनाव में उनका कटेंगे तो बटेंगे का बयान सियासी हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है गौरतलब है कि लोकसभा में भाजपा से ज्यादा सीट समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठजोड़ में जीती ली थी और ऐसे में अघोषित तौर पर योगी के खिलाफ एक वातावरण निर्मित किया गया था जिसमें दोनों उपमुख्यमंत्रियों के कंधे से योगी को निशाने पर लिया गया था। हालांकि पार्टी ने हार की समीक्षा ने कई कारण गिनाए थे और योगी सुरक्षित थे। यही कारण है कि भाजपा इन 9 विधानसभा सीटो को अपने लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाये हुए है और सामाजवादी पार्टी की परपरागत सीट करहल पर अखिलेश यादव के परिवार के सदस्य कोही उनके खिलाफ मैदान में उतार कर यादव वोटों को विभाजित करने और 22 साल से सपा के कब्जे वाली सीट पर दांव खेला हैद्य कुल मिला कर इन उपचुनाव में कांग्रेस के न होने का कितना फायदा समाजवादी पार्टी या भाजपा को मिलता है यह परिणाम के बाद ही पता चलेगा लेकिन इतना तो तय है ये उप चुनाव दोनों ही दल और दोनों ही नेताओं योगी और अखिलेश के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बने हुए है।

## ईसाई मत के तेजी से फैलाव का सर्वाधिक असर सिखों पर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर.पी. सिंह द्वारा पंजाब में ईसाई मत के तेजी से फैलने के मुद्दे पर दिए बयान से एक बार तो सिख सियासत में भूचाल की स्थिति पैदा हो गई थी। शिरोमणि अकाली दल के नेताओं ने आर.पी. सिंह के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने की भी मांग कर दी थी, मगर बाद में आर.पी. सिंह ने अपना बयान वापस ले लिया था। मगर आज हम आर.पी. सिंह के बयान के गलत या ठीक होने बारे बात नहीं कर रहे। हम बात करेंगे बयान से उठे उस मुद्दे बारे, जिस पर गहरी नजर डालने से यह लगता है कि पंजाब में ईसाई मत तेजी से फैल रहा है और इस फैलाव का सबसे अधिक असर सिख धर्म के अनुयायियों पर पड़ रहा है। पिछले इतिहास पर नजर डालें तो सहज ही अंदाजा हो जाता है कि अंग्रेज हुकूमत तथा ईसाई धर्म के प्रचारकों द्वारा सिखों का धर्म परिवर्तन करने का पुराना इतिहास है। ऐसी सबसे बड़ी कार्रवाई अंग्रेज हुकूमत द्वारा सिख राज के अंतिम महाराजा दलीप सिंह का विवादपूर्ण हालातों में धर्म परिवर्तन करना था। इसके बाद ईसाई प्रचारकों ने पंजाब में अपनी गतिविधियां बढ़ा दी थीं। महाराजा रणजीत सिंह के निधन के बाद अंग्रेज हुकूमत ने सिख गुरुद्वारों का प्रबंध चलाने के लिए सिख मर्यादाओं के विपरीत चल रहे महंतों, निर्मलियों तथा उदासियों को पूरी हिमायत देनी शुरू कर दी और सिखों को ईसाई बनाने के लिए एक मुहिम छेड़ दी थी। इन हालातों के मद्देनजर प्रमुख सिख शख्सियतों द्वारा सिंह सभा लहर चलाने का फैसला किया गया। इस सभा की पहली औपचारिक बैठक 1 अक्तूबर 1873 को श्री अकाल तख्त साहिब के सामने हुई। इस मीटिंग में ठाकर सिंह संधावालिया को प्रधान चुन लिया गया। इसी वर्ष ईसाई प्रचारकों ने 4 सिख नौजवान विद्यार्थियों को ईसाई धर्म के पैरोकार बना लिया था। इस कारण सिंह सभा लहर के नेताओं ने सिख धर्म के प्रचार को अपना मिशन बना लिया जिसका बड़ा असर हुआ तथा 19वीं सदी के अंत में ही परिणाम आने शुरू हो गए और 1940 तक सिखों की आबादी दोगुनी हो गई। इस समय दौरान शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी तथा शिरोमणि अकाली दल ने सिख पंथ की बागडोर संभाल ली थी तथा दोनों संगठन सिख पंथ के सिरमौर संगठन बन गए थे। इसके बाद भारत आजाद हो गया। अंग्रेज भारत छोड़कर चले गए तथा ईसाई प्रचारक ठंडे पड़ गए। आजादी के बाद बेशक सिख पंथ को धर्म परिवर्तन का कोई खतरा नहीं रहा था मगर देश की हुकूमत के साथ दोनों संगठनों ने कई संघर्ष किए और सिख हितों की रक्षा की। मगर गत कुछ वर्षों से सिख पंथ के सामने फिर महाराजा रणजीत सिंह के निधन के बाद वाली स्थिति पैदा हो गई और ईसाई भाईचारे की आबादी जो 2011 में 1.3 प्रतिशत से भी कम थी, बारे दावा किया जा रहा है कि उनकी आबादी अब 15 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। इस दावे को सही ठहराने के लिए कुछ उदाहरण हैं, जिनमें 5 जुलाई 2022 को अमृतसर में अमृतसर क्रूसेड (धर्म युद्ध) के नाम पर ईसाई पादरी अंकुर जोसेफ नरूला के नेतृत्व में किया गया लाखों ईसाइयों का इकट्ठ, इसी पास्टर द्वारा जालंधर में दुनिया का चौथा तथा एशिया का सबसे बड़ा चर्च साइनस एंड वंडर्स का निर्माण करवाना, अमृतसर जिले के गांव दूजोवाल में 30 प्रतिशत वोटरों का ईसाई बनना तथा अजनाला तहसील के एक गांव अवाना में 4 चर्चों का स्थापित होना शामिल है। हैरानी की बात यह है कि सिखों तथा हिंदुओं से ईसाई बने ये लोग न तो अपना पहरावा बदलते हैं और न ही सरकारी कागजों में अपना धर्म, जिस कारण जनगणना में इनकी सही संख्या का पता नहीं चलता। कुछ समय पहले छपी एक रिपोर्ट में भी यह दावा किया गया था कि गुरदासपुर में पिछले 5 वर्षों में ईसाइयों की जनसंख्या दोगुनी हो गई है तथा धर्म परिवर्तन करने वालों को पहले तो चावल व गेहूं मुफ्त दिया जाता है मगर अब उनके बच्चों को यू.के. तथा कनाडा के वीजे, नौकरियां, मुफ्त पढ़ाई तथा बुरी ताकतों से रक्षा करने का वायदा किया जाता है। किसी धर्म की आबादी कितनी बढ़ रही है इससे किसी अन्य धर्म या संस्था को कोई सरोकार नहीं होना चाहिए किंतु जब यह लगे कि यह धर्म परिवर्तन जबरदस्ती या लालच देकर करवाया जा रहा है तो उस धर्म के नेताओं, जिनके धर्म के लोगों का धर्म परिवर्तन हो रहा है, का चिंतित होना बनता है क्योंकि यह परिवर्तन कानूनी तौर पर भी गलत है।

# उत्तर प्रदेश उप-चुनाव को मायावती ने पेचीदा बनाया

**-राहिल नोरा चोपड़ा**

उत्तर प्रदेश (यू.पी.) में एक दिलचस्प और पेचीदा परिदृश्य सामने आ रहा है, क्योंकि मायावती 13 नवम्बर को आगामी उपचुनाव में सभी 9 विधानसभा सीटों पर चुनाव लडऩे के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का नेतृत्व कर रही हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में बसपा एक भी सीट नहीं जीत पाई थी और इसके मूल दलित वोटों के अन्य दलों की ओर जाने की प्रतिक्रिया के बाद, अब बसपा सुप्रीमो मायावती जड़ों की ओर लौटने और पार्टी की बहुजन रणनीति को फिर से तैयार करने की कोशिश कर रही हैं और वह एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस को दलितों का दुश्मन करार देते हुए, मायावती ने 29 अक्तूबर, 2024 को कहा कि दोनों पार्टियां दलितों की हितैषी होने की आड़ में आरक्षण को अप्रभावी बनाने की साजिश में शामिल हैं। चार बार उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर हरियाणा में भाजपा सरकार और तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस सरकारों द्वारा लागू दलितों के लिए उप-आरक्षण की नई प्रणाली पर इक्षचता व्यक्त की। हालांकि, पार्टी के सामने चुनौती सिर्फ ब्राह्मण, मुस्लिम और गैर-यादव पिछड़े वर्ग के वोटों को वापस जीतने की नहीं है, जिसकी रणनीति ने 2007 में उसे सत्ता में पहुंचाया था, बल्कि करीब 21 फीसदी दलित वोटों को भी वापस जीतने की है, जिसमें 12 फीसदी जाटव हैं, जो मायावती की जाति है। सपा-कांग्रेस ने हैरान किया = आगामी उप-चुनावों में न लडऩे और सभी सीटें सहयोगी समाजवादी पार्टी के लिए छोडऩे के कांग्रेस के फैसले ने न सिर्फ बाहरी लोगों को, बल्कि संगठन के भीतर भी कई लोगों को हैरान कर दिया है। माना जा रहा है कि कांग्रेस ऐसा करने की अनिच्छुक है और उसे लगता है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को बढ़त देकर वह महाराष्ट्र में सीटें देने के खिलाफ तर्क दे सकती है, खासकर तब, जब उसने लोकसभा चुनाव में वहां अच्छा प्रदर्शन किया था और 13 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। दूसरी ओर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जोर देकर कहा कि गठबंधन सीटों के बंटवारे के गणित पर नहीं, बल्कि यू.पी. विधानसभा में भाजपा की बड़ी बढ़त को कम करने की अनिवार्यता पर आधारित है। सपा नेता ने कहा कि युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, आरक्षण व्यवस्था से छेड़छाड़ की जा रही है और संविधान को कमजोर किया जा रहा है। सी. जोसेफ विजय की एंट्री = तमिल अभिनेता से नेता बने सी. जोसेफ विजय ने 27 अक्तूबर, 2024 को तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में एक मैगा रैली में अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टी.वी.के.) लॉन्च की थी, जो अगला विधानसभा चुनाव लडऩे की स्पष्ट कोशिश थी। टी.वी.के. कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए, विजय ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और द्रमुक के नेतृत्व वाली राज्य सरकार दोनों पर निशाना साधा, अपनी पार्टी की जाति-विरोधी, धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का संकेत देते हुए कहा कि 'द्रविड़म और राष्ट्रवाद हमारी विचारधारा की दो आंखें हैं'। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पेरियार जैसे तमिल प्रतीकों की विचारधारा को अपनाएगी, लेकिन 'ईश्वर-विरोधी स्थिति' के बिना। विजय का राजनीतिक पदार्पण ऐसे समय में हुआ है जब प्रसिद्ध मंदिरों वाले राज्य तमिलनाडु में धार्मिक भावनाओं में पुनरुत्थान देखा

जा रहा है। 'आप' के खिलाफ रिट = दिल्ली के भाजपा सांसदों ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल न होने के लिए 'आप' सरकार के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की। बुधवार को एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केंद्र की योजना से लाखों पात्र लोगों को वंचित करने के लिए 'आप' और इसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की आलोचना की। जबकि पी.एम. मोदी ने मंगलवार को इस योजना को लागू न करने के लिए दिल्ली और पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना की थी, जिससे भाजपा और 'आप' के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई थी। हालांकि, 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के सहयोगियों ने आरोप लगाया कि आयुष्मान भारत योजना भ्रष्टाचार से भरी हुई है। उन्होंने इसकी तुलना दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था से की, जो मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए सार्वजनिक धन भी देती है।

प्रियंका का आकर्षण = कांग्रेस पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से शानदार जीत दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। अपने प्रचार अभियान में प्रियंका मुख्य रूप से किसानों की समस्याओं या वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों के पुनर्वास जैसे विभिन्न जन मुद्दों को उठा रही हैं। नामांकन दाखिल करने पहुंचीं प्रियंका ने भारी भीड़ जुटाई और उन लोगों को गलत साबित कर दिया, जो यह मानते हैं कि केरल में गांधी परिवार का आकर्षण खत्म हो गया है।

पनामारम में अपनी सार्वजनिक रैली के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ''उनके (राहुल गांधी) सबसे कठिन समय में, आप, वायनाड के लोग उनके साथ खड़े रहे। यह आप ही हैं जो देश के लोकतंत्र के साथ खड़े रहे... आप में से हर एक, आपके वोट ने उन्हें शांति और भाईचारे के नाम पर इस देश के एक छोर से दूसरे छोर तक चलने की ताकत, साहस और बहादुरी दी।'' प्रियंका का मुकाबला सी.पी.आई. के सत्यन मोकेरी और भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास से है, जो एक स्थानीय पार्षद हैं और संघ परिवार से लंबे समय से जुड़ी हैं। निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 43 प्रतिशत मुस्लिम, 13 प्रतिशत ईसाई, 10 प्रतिशत आदिवासी और 7 प्रतिशत दलित हैं। इसे देश में कांग्रेस के लिए सबसे सुरक्षित लोकसभा सीटों में से एक माना जाता है। आने वाले दिनों में प्रियंका के वायनाड में डेरा डालने की उम्मीद है। मतदान 13 नवंबर को होना है।

# केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आएंगे रायपुर

## प्रदेश में पहली बार भारतीय सड़क कांग्रेस का अधिवेशन, 5 देशों के रोड और कंस्ट्रक्शन एक्सपर्ट होंगे शामिल

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी।** केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी रायपुर आ रहे हैं। दरअसल प्रदेश में पहली बार भारतीय सड़क कांग्रेस अधिवेशन होने जा रहा है। रायपुर इस 83वें कॉन्फ्रेंस की मेजबानी करेगा। ये कार्यक्रम 8 नवम्बर से 11 नवम्बर तक शहर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में होगा।

भारत की हर मेट्रो सिटी के बड़े डेवलपर्स इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा श्रीलंका, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर जैसे देशों के कंस्ट्रक्शन एक्सपर्ट और वैज्ञानिक भी यहां पहुंचेंगे। 4 दिनों तक चलने वाले इस अधिवेशन में रोड कंस्ट्रक्शन से जुड़ी नई तकनीक पर चर्चा होगी। ये भी तय होगा कि आगे आने वाले दिनों में भारत और छत्तीसगढ़ में किस तकनीक से अधिक टिकाऊ सड़कें बनाई जा सकती हैं।

**3000 डेलीगेट्स आ रहे रायपुर:** उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया "देशभर से 3000 प्रतिनिधि इस अधिवेशन में शामिल होने रायपुर पहुंचेंगे। दुनिया में निर्माण के क्षेत्र में जो नई टेक्नोलॉजी आ रही है, जो नए प्रयोग हो रहे हैं उन सब पर यहां चर्चा होगी। हमने निर्धारित किया है कि छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति सभ्यता से पूरे देश के लोगों को परिचित करा सकें।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति, खनिज, पर्यटन, वन की ताकत को भी हम प्रदर्शित करने वाले हैं । देश के सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।"

उप मुख्यमंत्री साव ने एन.एम.डी.सी., एन.टी.पी.सी., सेल (भिलाई स्टील प्लांट), छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन कंपनी और कई विकास निगमों के स्टॉल और प्रदर्शनी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिथियों को छत्तीसगढ़ की कला, शिल्प और लोक संस्कृति से अवगत कराने छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प, ग्रामोद्योग, पर्यटन, संजीवनी, वन विकास के स्टॉल्स का भी समुचित समायोजन आयोजन स्थल पर करने को कहा।

**प्रदेश के स्टूडेंट्स को भी जोड़ा जा रहा:** इस कार्यक्रम में तकनीकी प्रदर्शनी भी होगी और युवा इंजीनियरों के लिए प्रतियोगिताएं होंगी। एनआईटी, आईआईटी और अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों के 60 स्टूडेंट्स को आईआरसी का मेंबर बनाया जाएगा। इस दौरान सड़क से संबंधित नवाचारों पर प्रेजेंटेशन होंगे और उन पर चर्चा भी होगी।

सेमिनार से आए उपयोगी सुझावों पर अमल भी किया जाएगा। सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 1929 में जयकर कमेटी का गठन किया गया था। इसके सुझावों पर 1934 में भारतीय सड़क कांग्रेस की स्थापना की गई थी। इसके द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सड़कों के विकास के लिए मानक और विनिर्देशों का निर्धारण किया जाता है।

अधिवेशन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। पहले दिन छत्तीसगढ़ी, दूसरे दिन सुदेश भोसले, अनूप जलोटा और विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुति होगी। देश-विदेश से आए इंजीनियर्स को नवा रायपुर, जंगल सफारी, चंपारण, सिरपुर, बार नवापारा, गंगरेल, भोरमदेव, चित्रकोट, दंतेवाड़ा जैसे पर्यटन स्थलों पर भी ले जाने का कार्यक्रम है।

**साइंस कॉलेज में लग रहे 129 स्टाल:** विभाग ने इस पूरे आयोजन की तैयारियां युद्ध स्तर पर की हैं। मैदान में 129 स्टॉल लगाने के लिए 2 बड़े डोम बनाए जा रहे हैं। इनमें सड़क, पाथ-वे , डिवाइडर के डिजाइन के साथ अलग-अलग उपकरण प्रदर्शित किए जाएंगे। इनसे लोगों को इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों की जानकारी मिलेगी।

**गडकरी ने हाल ही में दिए हैं 892 करोड़:** भारत सरकार ने आठ रोड ब्लॉक के लिए 892 करोड़ 36 लाख रुपए छत्तीसगढ़ के लिए स्वीकृत किए हैं। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश के 6 जिलों में कुल 323.9 किलोमीटर सड़क खंडों के विकास के लिए इस साल 9 सितम्बर को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था। 8 अक्टूबर को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस प्रस्ताव पर सहमति दी थी।

मंजूर की गई इस राशि से बेमेतरा और मुंगेली जिले में नांदघाट-मुंगेली सड़क खंड और बेमेतरा-नवागढ़-मुंगेली सड़क खंड का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाएगा। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव-चौकी-मोहला मानपुर सड़क खंड, जशपुर जिले के बागबहार-कोतबा सड़क खंड, लुड़ेंग-तपकरा-लावाकेरा सड़क खंड और जशपुर-आस्टा-कुसमी सड़क खंड के मजबूतीकरण का कार्य भी इनमें शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी-सरवानी-पसीद-अमलडिहा-बरतोरी-दगोरी सड़क खंड, राजनांदगांव और खैरागढ़ जिले के राजनांदगांव-कवर्धा-पोंडी सड़क खंड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का काम भी इस राशि से किया जाएगा।

## साप्ताहिक बाजार में नक्सली हमला

### दो जवानों पर चाकू से किया वार, हथियार लूटकर भागे, रायपुर एयरलिफ्ट किए गए दोनों

**मीडिया ऑडीटर, सुकमा एजेंसी।** छतीसगढ़ में सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर स्थित जगरगुंडा गांव में नक्सलियों ने जवानों पर हमला किया है। नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने 2 जवानों पर चाकू से हमला किया है। इसके बाद उनके हथियार लूटकर मौके से फरार हो गए।

इस हमले में करतम देवा और सोढ़ी कन्ना ये दोनों जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राइमरी ट्रीटमेंट के बाद दोनों को एयर लिफ्ट कर रायपुर भेजा गया है। दोनों जवान आज (रविवार) सुबह ड्यूटी पर जगरगुंडा बाजार में गश्त के लिए निकले थे। साप्ताहिक बाजार होने की वजह से भीड़ ज्यादा थी।

इस भीड़ में नक्सलियों की एक स्मॉल एक्शन टीम ग्रामीणों की वेशभूषा में पहले से ही घात लगाकर बैठी थी। जैसे ही दोनों जवान बाजार में पहुंचे, नक्सलियों ने इन पर हमला कर दिया।

## डबरी में मिली युवक की लाश

### 3 दिनों से लापता था, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

**मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (बिलासपुर) एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के सनवाल थाना क्षेत्र में 3 दिन से लापता युवक की लाश डबरी में मिली। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। ग्रामीणों ने डबरी में तैरते हुए युवक का शव देखकर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना सनावल थाना क्षेत्र के बरवाही गांव की है। युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

**1 नवंबर से लापता था युवक:** जानकारी के अनुसार लोकेश कुमार गुप्ता 1 नवंबर से लापता था। सनवाल एसआई नवल दुबे ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट 1 नवंबर को ही दर्ज कर ली गई थी। पुलिस गुम इंसान की तलाश कर रही थी, परिजन भी काफी प्रयास कर रहे थे। डबरी में मिले शव को एफएसएल टीम के आने के बाद निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

## चिल्हाटी में मिली अज्ञात युवक की लाश

### पत्थर से कुचलकर हत्या करने की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी।** बिलासपुर के चिल्हाटी जंगल में एक अज्ञात युवक की खुन से सनी हुई लाश मिली है। मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है। पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या पत्थर से कुचलकर की गई है। लाश रविवार सुबह एक चारवाहे ने देखी। इसके बाद पूरे मामले की जानाकर पुलिस को दी गई।

पचपेड़ी पुलिस फिलहाल अज्ञात लाश की तफ्तीश में जुटी हुई है। वहीं सूचना पर डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक की टीम भी मौके पर पहुंची थी। घटनास्थल से एक बाइक भी मिली है, जिसका नंबर सीजी 04 एचएन 9264 है। अशंका जताई जा रही है बाइक मृतक की ही है।

## जेल से बाहर आते ही हत्या के आरोपी का मर्डर

### दोस्त ने चाकू से किया 15-16 वार, गौरा-गौरी पूजा में कटर लेकर पहुंचा था

**मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी।** भिलाई में हत्या के आरोपी एक युवक का जेल से बाहर आते ही मर्डर हो गया। मर्डर उसके ही दोस्त ने किया है। गौरा-गौरी पूजा के दौरान धीरज महानंद (25) और उसके दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर बहस छिड़ गई थी। ये बहस जल्द ही खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई और फिर धीरज के एक दोस्त ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ 15 -16 वार कर दिया। आस-पास मौजूद लोगों की मदद से धीरज का अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। ये पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अंकुश यादव सहित तीन को गिरफ्तार किया है।

**तीनों भाग रहे थे, कुम्हारी से गिरफ्तार:** सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी के मुताबिक मुख्य आरोपी अंकुश यादव, उसके साथी रोशन यादव और राहुल सिंह के साथ मिलकर धीरज की हत्या की। अंकुश ने ही चाकू से धीरज के ऊपर हमला किया। इसके बाद तीनों वहां भाग रहे थे। पुलिस ने उन्हें कुम्हारी से भागते हुए गिरफ्तार किया है। सभी से पूछताछ की जा रही है।दोस्तों को धमका रहा था धीरज, इसी बात को लेकर हुआ विवाद

एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि धीरज ने बिलासपुर जिले के सरकंडा थाना क्षेत्र में हत्या की एक वारदात को अंजाम दिया था। इसी मामले में वो जेल में बंद था और कुछ दिन पहले ही बाहर आया था। रविवार शाम करीब पांच बजे जानकारी मिली कि उसकी हत्या हो गई है।

तफ्तीश में सामने आया है कि धीरज शीतला तालाब के पास चल रहे गौरा-गौरी पूजा में शामिल होने पहुंचा था। यहां उसके कुछ दोस्त पहले से मौजूद थे, जिन्हें धीरज एक कटर लेकर धमका रहा था। इस बात को लेकर उसकी अपनी दोस्तों से बहस हो गई। बहस बढ़ी तो धीरज ने रौब में आकर कहा कि "मैंने मर्डर के अपने केस पार्टनर को नहीं छोड़ा, तो फिर तुम क्या चीज हो"

ये कहते हुए उसने कटर से एक दोस्त पर हमला कर दिया। इस बात से नाराज धीरज के दोस्तों ने उसे मारने के लिए दौड़ाया, जिसके बाद मौके से जान बचाकर भागते हुए धीरज लक्ष्मी मार्केट के पीछे कचरे के ढेर के पास छिप गया। लेकिन उसके दोस्त वहां भी पहुंच गए। इनमें से अंकुश ने चाकू से उस पर 16 वार किए। हमला करने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। आस-पास मौजूद लोगों ने उसे लाल बहादुर अस्पताल सुपेला पहुंचाया, लेकिन इससे पहले ही उसने दम तोड़ दिया था।

## ट्रेलर की चपेट में आया बाइक सवार, मौके पर मौत

**मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी।** कोरबा में तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मामला दीपका थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया बांधाखार नुनेरा के रहने वाले खिलेन्द्र चौबे तड़के सुबह अपनी बाइक से दीपका जा रहे थे।

इसी दौरान तिवरता कोसाबाड़ी के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गए। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

# नाबालिग प्रेमी जोड़े ने मिलकर किया मर्डर

## मां से हुई चैट पढ़कर बेसुध पड़े दोस्त को हथौड़े और चाकू से मारा

**मीडिया ऑडीटर, जशपुर एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के जशपुर में नाबालिग प्रेमी जोड़े ने मिलकर अपने ही एक दोस्त की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद उसकी लाश को एक बोरे में लपेटकर फेंक दिया। मामला सिटी कोतवाली थाने का है। जानकारी के मुताबिक नाबालिग आरोपी नमन ने पहले अपने दोस्त सुरेश (17 साल) को हथौड़ा मार-मारकर अधमरा कर दिया। इसके बाद जेल जाने के डर से अपनी प्रेमिका नेहा के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने दोनों नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में नमन ने बताया कि सुरेश ने उसकी शराब पीने की लत और नेहा के साथ संबंधों की बात उसकी मां को बता दी थी। इसलिए दोनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।

**दीवाली के दिन मिली थी सुरेश की लाश:** कोतवाली पुलिस को सुरेश की लाश दो दिन पहले यानी 31 अक्टूबर को एक मोहल्ले से मिली थी। इसके बाद से ही पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। तफ्तीश के दौरान पता चला कि सुरेश की दोस्ती उसी के मोहल्ले में रहने वाले नमन से थी। दोनों अक्सर साथ ही रहते थे। पुलिस ने इसके बाद नमन से पूछताछ शुरू की, इस दौरान नमन ने अपना अपराध करना स्वीकार कर लिया। नमन ने बताया उसकी मां मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी करती है। पढ़ाई करने के लिए वो जशपुर में रहता है। मनोरा चौकी क्षेत्र में रहने वाली नेहा और वो रिलेशनशिप में थे।

**पहले साथ मिलकर पी शराब, फिर मारा हथौड़ा:** 29 अक्टूबर की रात नेहा और उसकी दो बहनें नमन के घर आई थी। इस दौरान सुरेश भी वहां मौजूद था। शाम सात बजे के लगभग नेहा वापस अपने घर जाने लगी। दोनों दोस्त मिलकर उसे रोकने की कोशिश करने लगे। लेकिन नेहा नहीं मानी। जिसके बाद सुरेश ने उसकी गाड़ी की चाबी छुपा दी। इस बात से नाराज होकर नेहा ने अपने पिता को कॉल दिया। जिसके बाद डर कर सुरेश और नमन दोनों अपने घर से भाग गए। नेहा के वापस जाने के बाद दोनों दोस्त वापस घर पर आए। यहां दोनों ने जमकर शराब पी। शराब पीने के दौरान सुरेश बेसुध होकर नमन के घर पर ही सो गया।

जिसके बाद नमन ने सुरेश का मोबाइल चेक किया। उसने देखा कि सुरेश इंस्टाग्राम पर उसकी मां से लगातार संपर्क में हैं, शराब पीने से लेकर नेहा के साथ संबंधों तक की बात वो उसकी मां को बता चुका है। मां और अपने दोस्त के बीच हुई चैट पढ़कर वो आग बबूला हो गया। नमन को लगने लगा था कि इन सब कारणों के चलते ही पिछले कई दिनों से उसकी मां उसे कम पैसे भेज रही है। इसके बाद उसने घर पर रखा हथौड़ा उठाया और बेसुध पड़े दोस्त पर चला दिया।

# कैरम नहीं खिलाया तो बच्ची ने लगाई फांसी

## खेल के दौरान भाई-बहन से हुआ झगड़ा, रस्सी के फंदे से झूली मासूम

**मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के भिलाई में 9 साल की बच्ची ने इसलिए खुदकुशी कर ली, क्योंकि उसके भाई-बहन ने उसे कैरम नहीं खेलने दिया। पीएम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। स्मृति नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्मृति नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना खम्हरिया गांव की है। यहां के रहने वाले सेवक राम निषाद (60 साल) के 12 बच्चे हैं। उनकी छेटी बेटी पिया नेताम 9 साल अपनी जुड़वा बहन और अन्य के साथ शनिवार सुबह 11 बजे घर में कैरम खेल रही थी। खेल के दौरान कुछ बेइमानी की बात को लेकर भाई बहन में झगड़ा हुआ तो उन लोगों ने पिया को खिलाने से मना करके वहां से भगा दिया। पिया रोते हुए घर के अंदर गई और माता-पिता से शिकायत की। मां-बाप ने उसकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया तो वो रोते हुए कमरे में चली गई।

**बेड पर चढ़कर रस्सी बांधकर बनाया फंदा:** इसके बाद कमरे के अंदर बेड पर चढ़कर परछी में पाइप से रस्सी बांधकर उसने फंदा लगाया और उसमें झूल गई। जब माता पिता अंदर पहुंचे तो देखा कि पिया फंदे पर थी। उन्होंने रस्सी को काटा और तुरंत उसे शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## करंट लगने से गर्भवती महिला की मौत

### टुल्लू पंप रखने के दौरान हुआ हादसा, गर्भस्थ शिशु की भी मौत

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी।** सकरी में एक गर्भवती महिला की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मृतिका सरिता केंवट प्रसव के लिए अपने मायके आई हुई थी। यहां पानी भरने के बाद वो टुल्लू पंप को उठाकर रख रहीं थी। इसी दौरान सरिता करंट की चपेट में आ गई।

परिजन सरिता को सिम्स पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में गर्भस्थ शिशु की भी मौत हो गई। सरिता तीसरी बार मां बनने वाली थीं, उनकी दो बेटियां हैं। वहीं पति श्रवण केंवट कोलकाता में नौकरी करते हैं।

# बिलासपुर के महेश स्वीट्स में छापा

## ग्राहक की शिकायत पर पहुंची खाद्य विभाग की टीम, कई मिठाइयों के सैंपल कलेक्ट किए

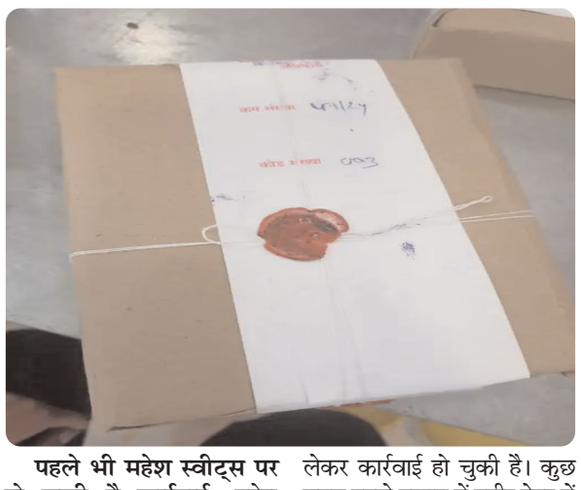

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी।** बिलासपुर में स्थित महेश स्वीट्स पर खाद्य विभाग की टीम ने छापा मारा है। टीम ने दुकान से कई मिठाइयों के सैंपल कलेक्ट किए हैं। हालांकि जांच के दौरान टीम को दुकान में मौजूद प्रोडक्टस में कोई गड़बड़ी नहीं मिली है।

दरअसल, दो दिन पहले एक ग्राहक ने महेश स्वीट्स के खिलाफ खाद्य व औषधि प्रशासन विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। ग्राहक ने बताया था कि महेश स्वीट्स से खरीदी गई मिठाइयों से कीड़े निकले थे। जिसके बाद विभाग एक्शन में आया था।

**सोशल मीडिया पर की थी शिकायत:** पूरा मामला 31 अक्टूबर का है। तारबाहर के रहने वाले विशाल शर्मा ने महेश स्वीट्स से 1 किलो रसमलाई, 1 किलो रसगुल्ला और 1 किलो काजू कतली खरीदी थी। दीवाली पूजा के बाद जब मिठाई के डिब्बे खोले गए तो रस मलाई में कीड़े मौजूद थे।

विशाल ने इसकी जानकारी महेश स्वीट्स के संचालक को दी। जिस पर संचालक की ओर से जवाब आया कि हर मिठाई जांच के बाद ही ग्राहकों को दी जाती है। इस जवाब से असंतुष्ट विशाल ने पूरे मामले की शिकायत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए खाद्य विभाग से की थी।

**पहले भी महेश स्वीट्स पर हो चुकी है कार्रवाई:** महेश स्वीट्स पर इससे पहले भी कई मर्तबा घटिया स्तर की मिठाइयां और मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर कार्रवाई हो चुकी है। कुछ समय पहले दुकान में पनीर पेपर में लिपटे हुए मिले थे। जिसके बाद दुकान पर एक लाख रूपए जुर्माना लगाया गया था।

## दिल्ली में सिग्नल तोड़ने वाले को रोकने कार के बोनट पर लटके दो पुलिसकर्मी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के वसंतकुंज इलाके में एक कार सवार ने रेड सिग्नल तोड़ दिया। वहां मौजूद दो ट्रैफिक पुलिसवालों ने कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन कार सवार तेजी से गाड़ी भगाता रहा। दोनों पुलिसकर्मी बोनट पर लटक गए। फिर भी ड्राइवर ने कार नहीं रोकी। कार सवार करीब 20 मीटर तक पुलिसकर्मियों को घसीटता ले गया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी चलती कार से गिर गया। वहीं, दूसरा दोबारा खड़े होकर कार को रोकने का प्रयास किया तो उसे फिर से टक्कर मारकर ड्राइवर कार भगा ले गया। पुलिस ने कार मालिक की पहचान करके उसके खिलाफ हत्या का प्रयास और सरकारी कर्मचारी के काम में बाधा डालने का केस दर्ज किया है। कार वसंत कुंज निवासी जय भगवान के नाम पर रजिस्टर्ड है।

## रिटायर्ड डीएसपी के घर चाकू लेकर घुसी दो बहनें गिरफ्तार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली पुलिस ने रविवार को एक सोसाइटी में हंगामा करने और रिटायर्ड ब्रुस्क के घर चाकू लेकर घुसने और धमकाने के आरोप में दो बहनों भव्या जैन (23) और चार्वी जैन (21) को गिरफ्तार किया है। पूर्व डीएसपी अशोक शर्मा (70) की शिकायत के मुताबिक दोनों बहनें सोसाइटी में जोर-जोर से कार का हॉर्न बजा रही थीं। जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई तो दोनों आक्रामक हो गईं और शर्मा के घर के बाहर रखे गमले फेंकने लगीं। मामला यही खत्म नहीं हुआ। दोनों बहनों ने एक बार फिर शनिवार शाम को भी शर्मा के घर के बाहर हंगामा किया। दूसरे दिन वे चाकू लेकर शर्मा के घर में ही घुस गईं। इसके बाद शर्मा ने पुलिस को फोन करके घटना की जानकारी दी। सीसीटीवी ने घटना से जुड़ी एक सीसीटीवी फुटेज अपनी रिपोर्ट में शेयर की है। पुलिस आई तो खुद को फ्लैट में बंद किया शर्मा की शिकायत के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों बहनों ने पकड़े जाने के डर से खुद को अपने फ्लैट में ही बंद कर लिया। पुलिस ने कई घंटों तक उन्हें फ्लैट से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं निकलीं।

## योगी को धमकी देने वाली महिला मुंबई से अरेस्ट

**उत्तर प्रदेश (एजेंसी)।** यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुंबई पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला का नाम फातिमा खान (24) है। उसने शनिवार को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में मैसेज किया था। लिखा था- अगर योगी ने 10 दिन में इस्तीफा नहीं दिया तो बाबा सिद्दीकी जैसा हाल करेंगे। महिला ने ऐसा क्यों किया? इस बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है। हालांकि सूत्रों ने बताया कि महिला संपन्न परिवार से है। काफी पढ़ी-लिखी है। पुलिस ने उसे कहां से गिरफ्तार किया। इसका खुलासा नहीं किया है। दरअसल, शनिवार को मुंबई पुलिस को धमकी भरा मैसेज मिला था। इसके बाद ही मुंबई पुलिस ने यूपी पुलिस को सूचना देने के साथ ही जांच शुरू कर दी थी। इस मसले पर दैनिक भास्कर ने यूपी पुलिस के एक सीनियर पुलिस अफसर से बात की। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस इसकी जांच कर रही है। शुरुआती जांच में यह भी पता चला है कि महिला मानसिक तौर पर स्वस्थ्य नहीं है। हालांकि सीएम योगी से जुड़ा मामला है, इसलिए मुंबई पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। 12 अक्टूबर को दशहरे के दिन मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी। वे बेटे जीशान के दफ्तर के बाहर निकले थे। तभी उन पर 6 गोलियां चलाई गईं। 2 गोली सिद्दीकी के पेट पर और एक सीने पर लगी। उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रात 11.27 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली।

# ईरान के तेहरान में निर्वस्त्र होकर घूमने लगी छात्रा, पुलिस ने हिरासत में पीटा, यौन उत्पीड़न के खिलाफ प्रोटेस्ट में उतारे थे कपड़े

**तेहरान (एजेंसी)।** ईरान की राजधानी तेहरान में एक छात्रा के निर्वस्त्र होकर घूमने का मामला सामने आया है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक यह घटना शनिवार को तेहरान की आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड रिसर्च में हुई। यहां यूनिवर्सिटी की एक छात्रा ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ प्रोटेस्ट में अपने कपड़े उतार दिए।

निर्वस्त्र घूमने के कुछ देर बाद ही ईरानी पुलिस ने छात्रा को हिरासत में ले लिया। ईरानी न्यूजलेटर अमीर कबीर के मुताबिक हिरासत में लेने के दौरान छात्रा के साथ मार-पीट भी हुई। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियो में छात्रा को यूनिवर्सिटी के आस-पास घूमते हुए देखा जा सकता है।

यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता अमीर महजोब ने X पर पोस्ट कर बताया कि छात्रा की हालत मानसिक तौर पर ठीक नहीं है। वह मानसिक दबाव में है और उसे दिमागी बीमारी है।

**दावा- छात्रा का हिजाब और कपड़े खींचे गए:** कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि छात्रा के साथ बसीज मिलिशिया के सदस्यों ने गलत व्यवहार किया था। उसका हिजाब और कपड़े खींचे गए थे।

दरअसल, ईरान में महिलाओं के कपड़ों को लेकर सख्त ड्रेस कोड लागू किया गया है। इसके मुताबिक महिलाओं को पब्लिक प्लेस पर हिजाब और ढीले कपड़े पहनना अनिवार्य है। ऐसे में छात्रा के इस कदम को ईरान की सत्ता के खिलाफ आवाज उठाने के तौर पर देखा जा रहा है।

दूसरी तरफ ईरान के सरकारी मीडिया फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि छात्रा ने ढंग से कपड़े नहीं पहने थे। इसके बाद जब सुरक्षा गार्ड्स ने छात्रा को चेतावनी दी, तो छात्रा ने कपड़े उतार दिए। सरकारी मीडिया के मुताबिक गार्ड्स ने शांतिपूर्वक ढंग से बात की थी।

## जयशंकर बोले- कुछ देश दूसरों की तुलना में ज्यादा जटिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि नई दिल्ली खुद को वैश्विक मित्र के रूप में स्थापित करते हुए अधिक से अधिक देशों के साथ मित्रता करना चाहती है। भारत की %विश्वामित्र% स्थिति का मोटिव दुनिया भर में मित्रता विकसित करना है। आज की उभरते मल्टीपावर दुनिया में मित्रता अकेली नहीं रह गई है।

उन्होंने कहा कि कुछ वैश्विक पार्टनर (देश) दुनिया के दूसरे पार्टनर्स की तुलना में ज्यादा जटिल हो सकते हैं, क्योंकि वे हमेशा म्यूचुअल रिस्पेक्ट के कल्चर या डिप्लोमेटिक शिष्टाचार के लोकाचार को शेयर नहीं कर सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि एक राष्ट्र जिसे स्वतंत्रता माना जाता है, उसे दूसरे देश के हस्तक्षेप के रूप में देखा जा सकता है। संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के बारे में संवेदनशीलता इंटरनेशनल पार्टनर्स के आकलन में जरूरी बनी हुई है। विदेश मंत्री ने ये बातें दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में कही। वे यहां लेखक श्रीराम चौलिया की किताब फ्रेंड्स-इंडियाज क्लोजेस्ट स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स के विमोचन पर पहुंचे थे। एक के लिए स्वतंत्रता है, वह दूसरे के लिए हस्तक्षेप जयशंकर ने कह, हमने समय-समय पर अपने घरेलू मुद्दों पर टिप्पणियां देखी हैं।

## यूपी चुनाव से पहले युवाओं को जोड़ रहा आरएसएस

**ग्वालियर (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पूरा फोकस यूपी विधानसभा चुनाव है। ग्वालियर में चल रहे विविध संगठन प्रचारक प्रशिक्षण वर्ग के चौथे दिन चुनाव समेत युवा शक्ति और घर-घर तक पहुंचने के लिए हर घर दस्तक अभियान पर चर्चा हुई। साथ ही घर-घर पहुंचकर सामाजिक समरसता का माहौल बनाने को कहा गया है। आरएसएस ने प्रचारकों को यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले युवाओं पर ध्यान केंद्रित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। पिछले लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा को विपक्षी गठबंधन से कड़ी टक्कर मिली थी। 2027 में यहां विधानसभा चुनाव होने हैं। इसीलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सामाजिक पहलुओं के साथ राजनीतिक पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने सभी प्रचारकों के विचार भी जाने, साथ ही सामाजिक समरसता पर जोर दिया। आरएसएस सूत्रों के मुताबिक रविवार को प्रचारक वर्ग के सत्र की शुरुआत भारत माता की पूजा के साथ हुई। इसके बाद सभी प्रचारकों से युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने को कहा गया। यूपी में आगामी समय में राजनीतिक और सामाजिक माहौल पर विचार मांगे गए। आखिर में सभी प्रचारकों को युवा शक्ति को ज्यादा से ज्यादा अपने विचारों से परिचित कराने और उनसे संपर्क करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

## 4 धाम में अब तक 44 लाख श्रद्धालु पहुंचे

**चमोली (एजेंसी)।** उत्तराखंड में स्थित चारों धामों के कपाट बंद होने का सिलसिला शनिवार से शुरू हो गया है। चारों धामों में अब तक 44 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। उत्तरकाशी में स्थित गंगोत्री धाम के कपाट कल 2 नवंबर को दोपहर 12:14 बजे बंद हुए। आज सुबह 8:30 बजे सेना के बैंड और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन के साथ केदारनाथ के कपाट बंद किए गए। वहीं, यमुनोत्री धाम के गेट भी आज दोपहर 12:04 बजे बंद कर दिए गए। बद्रीनाथ में 17 नवंबर तक दर्शन किए जा सकेंगे। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया इंचार्ज हरीश गौर ने कहा कि केदारनाथ के गेट बंद होने की सेरेमनी 18,000 लोगों ने देखी। वहीं, समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि 10 मई को केदारनाथ के गेट खुले थे। इस सीजन में 16 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे।

सीएम धामी बोले- मंदिर का पुनर्निमाण और पुनर्विकास होगा कपाट बंद होने के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के प्रतीक, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक पावन केदारनाथ धाम के कपाट आज विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ बंद हो गए हैं। हमारी सरकार केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास के लिए पूरी तरह से समर्पित है।

## पाकिस्तान ने सिख श्रद्धालुओं के लिए वीजा फीस की समाप्त

**कराची (एजेंसी)।** पाकिस्तान ने श्रद्धालुओं के लिए वीजा फीस समाप्त कर दी है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व महासचिव व एसजीपीसी के सदस्य गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने गुरुधामों के दर्शनों के लिए विदेशों से पाकिस्तान जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए वीजा फीस समाप्त कर दी है।पाकिस्तान सरकार ने आर्थिक संकट के चलते विदेशी मुद्रा भंडार को आकर्षित करने के लिए ऐसा किया है। उसने गुरुद्वारा साहिब में दर्शन करने वालों का सालाना टारगेट भी एक लाख से बढ़ाकर 10 लाख कर दिया है। ग्रेवाल ने बताया कि पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान रमेश सिंह चावला ने सोशल मीडिया पर शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्थिक संकट के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम श्री करतारपुर साहिब के 20 डॉलर फीस पर स्थिति स्पष्ट नहीं।

## छत्तीसगढ़ में पानी भरे गड्ढे में घुसी स्कॉर्पियो, 8 मौतें

**बलरामपुर (एजेंसी)।** बलरामपुर जिले के राजपुर में शनिवार रात साढ़े 8 बजे लडुवा गांव के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटते हुए पानी भरे गड्ढे में जा घुसी। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल ड्राइवर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। वहीं देर रात एक और युवक का शव गड्ढे से निकाला गया। मृतकों में एक परिवार के 4 सदस्य थे। जिस गड्ढे में स्कॉर्पियो घुसी थी वो झाड़ियों से घिरा था, उसमें करीब 10 फीट पानी भरा हुआ था। हादसे के बाद गाड़ी के सभी गेट लॉक हो गए, कांच भी बंद थे, जिससे कोई बाहर नहीं निकल सका। सिर्फ ड्राइवर के गेट कांच खुला था, जिसे लोगों ने खिड़की से खींचकर बाहर निकाल लिया। फिर हादसे की सूचना पुलिस को दी। सभी दिवाली मनाकर कुसमी से सूरजपुर लौट रहे थे। राजपुर पुलिस टीम ने डबरी में डूबी स्कॉर्पियो को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला। जब तक गाड़ी को बाहर निकाला गया, सबकी सांसें थम चुकी थीं।

## 2029-30 तक भारत करेगा 50,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात: राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की रक्षा वस्तुओं का निर्यात करने में सक्षम होगा। उन्होंने यह बयान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के 65वें स्थापना दिवस समारोह में दिया।

राजनाथ सिंह ने बताया कि सरकार रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए शिक्षा क्षेत्र के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकियों का स्वदेशी विकास करें। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति में भारत का स्थान महत्वपूर्ण है।

राजनाथ सिंह ने तकनीकी विकास के तीन समूहों का जिक्र करते हुए बताया कि भारत तकनीकी प्रगति में शीर्ष स्थान की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने आईआईटी कानपुर जैसे संस्थानों को अकादमिक इंजन बताया जो देश को आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

## प्रियंका के साथ वायनाड पहुंचे राहुल गांधी

**वायनाड (एजेंसी)।** राहुल गांधी आज वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए बहन प्रियंका गांधी के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंचे। राहुल ने कहा कि, मैं पहली बार अपनी बहन के लिए प्रचार करने आया हूं, अब तक वही मेरे लिए प्रचार करती थी। मै जब यहां सांसद रहा तो आपकी बहन, बेटी या मां नहीं बन सका। लेकिन अब मेरी बहन ये तीनों भूमिकाएं निभाएंगी।

प्रियंका ने मोदी सरकार पर निशाना लगाते हुए कहा, मोदी जी का मकसद आपको बेहतर जीवन देना, नई नौकरियां, बेहतर स्वास्थ्य या शिक्षा देना नहीं है। वे बस किसी भी तरह से सत्ता में बने रहना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने गांधी परिवार की पारंपरिक रायबरेली सीट को चुना था। वायनाड में प्रियंका का मुकाबला भाजपा की नव्या हरिदास और वामपंथी उम्मीदवार सत्यन मोकेरी से है। संविधान गुस्से या नफरत से नहीं लिखा गया था। इसे उन लोगों ने लिखा था जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, जिन लोगों ने कष्ट झेले, जिन्होंने सालों-साल जेल में बिताए और उन्होंने संविधान को विनम्रता, प्रेम और स्नेह के साथ लिखा। यह आत्मविश्वास और असुरक्षा के बीच की लड़ाई है। और अगर आप वाकई इस लड़ाई को जीतना चाहते हैं।

## भाजपा देश की एकमात्र पार्टी, जो कहती है, वह करती है, भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने के बाद बोले अमित शाह

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र (घोषणापत्र) जारी करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भाजपा अन्य सभी दलों से अलग है। उन्होंने कहा कि राज्य में आगामी चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का चुनाव नहीं है, बल्कि झारखंड का भविष्य सुनिश्चित करने का चुनाव है। रांची में भाजपा के संकल्प पत्र जारी करने के बाद अमित शाह ने कहा, झारखंड में यह चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का चुनाव नहीं है, बल्कि झारखंड का भविष्य सुनिश्चित करने का चुनाव है। झारखंड की जनता को तय करना है कि उन्हें भ्रष्टाचार से भरी सरकार चाहिए या फिर पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ती भाजपा सरकार चाहिए। क्या उन्हें घुसपैठ की इजाजत देकर झारखंड की पहचान, जमीन और महिलाओं को खतरे में डालने वाली सरकार चाहिए या फिर उन्हें सीमाओं की रक्षा करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार चाहिए।

## अब्दुल रहीम रादर जम्मू-कश्मीर विधानसभा के स्पीकर होंगे

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू होगा। रविवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधायक दल की बैठक बुलाई। मीटिंग में कांग्रेस, सीपीआई (एम), आम आदमी पार्टी और निर्दलीय विधायक पहुंचे। 10 साल बाद हुए विधानसभा चुनाव के बाद नई सरकार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ विधायक अब्दुल रहीम रादर स्पीकर होंगे। रादर सातवीं बार विधायक बने हैं और केंद्र शासित प्रदेश की पहली विधानसभा में सबसे उम्रदराज विधायक हैं। सत्र से पहले स्पीकर का चुनाव होगा स्पीकर का चुनाव सोमवार सुबह 10:30 बजे से पहले होगा। इसके बाद उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा। बैठक में अब्दुल्ला सरकार की आगामी रणनीति और योजनाओं के बारे में भी चर्चा हो सकती है। बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सभी विधायकों को भी बुलाया गया है। डिप्टी स्पीकर का पद भाजपा को मिल सकता है अब्दुल्ला सरकार डिप्टी स्पीकर का पद भाजपा को दे सकती है। हालांकि, अब तक सरकार की ओर से भाजपा को इससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

## श्रीनगर के संडे मार्केट में ग्रेनेड ब्लास्ट, 12 घायल

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर के नजदीक संडे मार्केट में रविवार को ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। इसमें 12 लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद हमलावरों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। घायलों की संख्या बढ़ सकती है। श्रीनगर में पिछले 2 साल में यह दो दिन में लगातार दूसरी आतंकी वारदात है। 2 नवंबर को खान्यार इलाके में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। एक घर में 2 से 3 आतंकी छिपे थे। सेना ने घर को बम से उड़ा दिया। इसमें एक पाकिस्तानी आतंकी मारा गया था। घटनास्थल से आतंकी की बॉडी और गोला-बारूद बरामद किए गए। हालांकि इस मुठभेड़ में 4 जवान भी घायल हुए थे। शनिवार को अनंतनाग में भी सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को ढेर किया था। एक की पहचान जाहिद राशिद के रूप में हुई। वहीं दूसरा अरबाज अहमद मीर था। दोनों को पाकिस्तान में ट्रेनिंग मिली थी। सीएम अब्दुल्ला बोले- निर्दोषों पर हमले का कोई औचित्य नहीं घटना पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, पिछले कुछ दिनों से घाटी के कुछ हिस्सों में हमलों और मुठभेड़ की खबरें सुर्खियों में हैं। श्रीनगर के संडे मार्केट में निर्दोष दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की आज की खबर बेहद परेशान करने वाली है। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द लगातार हो रहे हमलों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि लोग बिना किसी डर के अपना जीवन जी सकें।

## राष्ट्रमंडल खेलों से हॉकी को हटाये जाने से निराश हैं हरमनप्रीत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय हॉकी टीम कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी को हटाये जाने को निराशाजनक बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना था जो अब पूरा नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत की राष्ट्रमंडल खेलों में अधिक से अधिक पदक जीतने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है क्योंकि ग्लासगो ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को कार्यक्रम हटा दिया है। इन खेलों में ही भारत को अधिक पदक मिलते रहे हैं। अब केवल 10 खेलों को शामिल किया गया है। टेबल टेनिस, स्क्वाश और ट्रायथलॉन को भी इन खेलों से हटा दिया है। हरमनप्रीत ने कहा ,'' यह अच्छा टूर्नामेंट था। हमारा लक्ष्य इस बार उसमें स्वर्ण पदक जीतना था।'' भारतीय टीम 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 0-7 से हार गयीं थी। साल 2018 में गोल्ड कोस्ट खेलों में उसे इंग्लैंड से 1- 2 से हार का सामना करना पड़ा था। तब टीम चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता जबकि महिला टीम ने साल 2002 में मैनचेस्टर खेलों में स्वर्ण जीता था। हरमनप्रीत ने कहा ,'' हमारे हाथ में जो नहीं है, उसके बारे में सोचने से कोई लाभ नहीं है। कोच क्रेग फुल्टोन ने भी कहा कि हॉकी का राष्ट्रीमण्डल से बाहर होना दुखद है पर इसके बारे में विचार करने की जगह हमें आने वालो मुकाबलों पर ध्यान देना होगा।

## चहल की एक बार फिर उपेक्षा हुई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** स्पिनर युजवेंद्र चहल को प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद भी वह स्थान नहीं मिला है जिसके वह अधिकारी हैं। चहल पिछले काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। वहीं आईपीएल के लिए जिस टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में वह सात साल रहे उसने भी उसे रिटेन नहीं किया। आईपीएल 2022 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने युजवेंद्र चहल को खरीदा। टीम के लिए अपने पहली ही सत्र में 17 मैचों में चहल ने 27 विकेट लिए। उन्होंने पर्पल कैप भी जीती। 2023 सत्र में 14 मैच में 21 और 2024 सीजन में 15 मैच में 18 विकेट लिए। इस प्रकार 3 सत्र के 46 मैच में 66 विकेट। यही नहीं चहल आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा 205 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज विराट कोहली को आरसीबी ने 21 करोड़ में रिटेन किया है जबकि सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला चहल को रिलीज कर दिया गया। राजस्थान रॉयल्स ने यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर और संदीप शर्मा को रिटेन किया है। संदीप अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में टीम से जुड़े हैं पर चहल को फ्रेंचाइजी ने बाहर कर दिया। राजस्थान के पास आरटीएम भी नहीं बचा है। चहल टीम इंडिया से भी बाहर चल रहे हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं पर इसके बाद भी अभी तक उन्हें टी20 विश्वकप तक खेलने को नहीं मिला। 2021 के टूर्नामेंट में वह टीम में नहीं थे। 2022 और 2024 में उन्हें 2023 विश्व कप में भी अवसर नहीं मिला।

## एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में सलीमा की कप्तानी में उतरेगी भारतीय टीम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अगले माह 11 से 20 नवंबर तक बिहार के राजगीर हॉकी स्टेडियम में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में भारतीय टीम सलीमा टेटे की कप्तानी में उतरेगी। वहीं नवनीत कौर टीम की उपकप्तान रहेंगी। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल रांची में हुए आयोजन में खिताब जीता था।

ऐसे में अब भारतीय टीम का लक्ष्य ये खिताब बरकरार रखना रहेगा। इस टूर्नामेंट में भारत को चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित पांच अन्य देशों से कड़ी टक्कर मिलेगी। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 11नवंबर को मलेशिया से होगा। टीम की कप्तान सलीमा ने कहा, 'एक और बड़े टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करना एक शानदार एहसास है। हम गत चैम्पियन के रूप में टूर्नामेंट में भाग लेते हुए जीत का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमने कड़ी ट्रेनिंग की है। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के साथ एक मजबूत टीम है। हमारा लक्ष्य अपने खिताब की रक्षा करना और उसी जुनून और संकल्प के साथ खेलना है जो हमने पिछले साल दिखाया था। टीम में गोलकीपर की भूमिका अनुभवी सविता और उभरती प्रतिभा बिचू देवी खारीबाम साझा करेंगी।

# हेड कोच रिकी पोंटिंग ने बताया क्यों किया 2 ही प्लेयर का रिटेंशन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी के लिए पंजाब किंग्स के नए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम की नई योजनाओं और खिलाड़ियों को बनाए रखने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। पोंटिंग ने इस साल टीम में बड़ा बदलाव करते हुए केवल दो अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह को रिटेन किया है, जबकि दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन और भारतीय गेंदबाज अर्शदीप सिंह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को छोड़ने का साहसिक फैसला लिया है।

पोंटिंग ने टीम के भविष्य को लेकर अपने दृष्टिकोण को साझा किया और कहा कि वह पंजाब किंग्स के साथ नई शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, इस बदलाव की शुरुआत आज की रिटेंशन सूची से होती है। हमारी रणनीति स्पष्ट है, और हम नीलामी में आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े पर्स के साथ प्रवेश कर रहे हैं। यह हमें अपनी टीम को नए रूप में ढालने और पंजाब किंग्स को पूरी तरह से एक नई पहचान देने का मौका प्रदान करता है। पंजाब किंग्स लंबे समय से आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही है। पोंटिंग का मानना है कि टीम को इस बार नया जोश और आक्रामकता देने की जरूरत है, जिससे वे एक अधिक गतिशील और मनोरंजक टीम बन सकें। उन्होंने इस बदलाव के तहत नए कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर टीम को एक नया और मजबूत स्वरूप देने का वादा किया। रिटेंशन की सूची में कुछ हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों की अनुपस्थिति पर भी पोंटिंग ने

आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों का नीलामी में उपलब्ध होना चौंकाने वाला है। ऐसा लगता है कि कुछ फ्रेंचाइजी अपने दस्तों में बड़े बदलाव करने का इरादा रखती हैं। पोंटिंग ने नीलामी में एक संतुलित टीम तैयार करने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि फ्रेंचाइजी को अपने लक्ष्यों को पहचानकर, खिलाड़ियों का चयन करना और नीलामी में सही रणनीति अपनाना जरूरी है।

पोंटिंग की इस नई रणनीति से पंजाब किंग्स के प्रशंसकों को भी टीम के नए स्वरूप में बड़ी उम्मीदें हैं। पंजाब के प्रशंसक अब इस मेगा नीलामी के बाद टीम के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं और देखना चाहेंगे कि आईपीएल 2025 में उनका यह नया रूप कैसा परिणाम देता है।

# रिटेन होने पर खुशी के साथ भावुक नजर आए बुमराह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल 2025 के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 18 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। बुमराह ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक वीडियो में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह एमआई के साथ अपने सफर को अगले तीन सालों तक जारी रखकर बेहद खुश हैं। बुमराह ने कहा, मैं 19 साल की उम्र में यहां आया था और अब 31 का होने जा रहा हूं। यह मेरे लिए एक संपूर्ण यात्रा रही है और मुझे खुशी है कि यह आगे भी जारी रहेगी। बुमराह ने अपनी भूमिका में बदलाव के बारे में बताया कि पहले वह खेल के दिग्गजों से सवाल पूछते थे, और अब वे खुद नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अब टीम में युवा खिलाड़ी हैं जो मुझसे कई साल छोटे हैं। मुझे उनकी मदद करने में खुशी मिलती है क्योंकि जब मैंने शुरुआत की थी, तब मुझे भी बहुत सहायता मिली थी। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 का सीजन एमआई के लिए निराशाजनक रहा, जिसमें टीम हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में सबसे निचले स्थान पर रही। इस बदलाव के चलते कुछ प्रशंसकों ने रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को कप्तान बनाए जाने पर असंतोष भी जताया। फैंस के इस रिएक्शन पर बुमराह ने कहा कि मुंबई इंडियंस को पता है कि कैसे चैंपियनशिप जीती जाती है, और अब टीम अपना ध्यान सुधार पर केंद्रित रख रही है। बुमराह ने कहा, हमें अपनी गलतियों से सीखकर उन्हें सुधारना चाहिए और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। हमारा हमेशा से यही तरीका रहा है, और उम्मीद है कि इस पर काम करते हुए हम अच्छे परिणाम हासिल करेंगे। वानखेड़े स्टेडियम में खेलने के अपने अनुभव के बारे में बताते हुए बुमराह ने कहा कि वहां की ऊर्जा और जीवंतता का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा, अगर किसी ने वानखेड़े में पहले कभी खेल का अनुभव नहीं लिया है, तो वह इसे जरूर देखे। यहां की भीड़ और माहौल अद्वितीय है। अपनी भूमिका को जिम्मेदारी मानते हुए बुमराह ने कहा कि वह सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि कुछ खास योगदान देने वाले खिलाड़ी बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने ओवरों को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं। हारने पर हमें शून्य से शुरुआत करनी होती है और यही इस खेल की खूबसूरती है। बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए 2013 से अब तक 133 मैचों में 165 विकेट लिए हैं, जिससे वह लसिथ मलिंगा के बाद टीम के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। हाल ही में भारत की टी20 विश्व कप 2024 की जीत में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था, जिससे उनकी काबिलियत और आत्मविश्वास में और इजाफा हुआ।

## भारतीय गेंदबाजों की नो बॉल पर सुनील गावस्कर का गुस्सा

**मुंबई (एजेंसी)।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में चल रहा है। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में भारत ने टॉस गंवाकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने अपनी शानदार प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड की टीम को 235 रनों पर समेट दिया। लेकिन इस पारी के दौरान भारतीय टीम ने कई नो बॉल फेंकी, जिससे पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का गुस्सा फूट पड़ा।

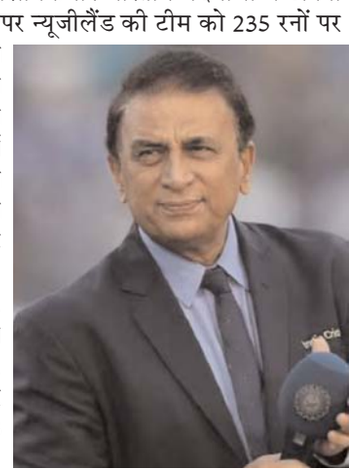

पहली पारी में, भारतीय गेंदबाजों ने कुल 9 नो बॉल डाले, जिनमें वाशिंगटन सुंदर ने 5, रविंद्र जडेजा ने 3 और अकाश दीप ने 1 नो बॉल फेंकी। इस पर कमेंटेटर और पूर्व भारतीय हेड कोच रवि शास्त्री ने मजे लेते हुए कहा, सुनील गावस्कर लंच कर रहे थे। उन्होंने प्लेट को दीवार पर दे मारा। शुक्र है कि वह स्लिप में फील्डिंग नहीं कर रहे। वरना वाशिंगटन, वाशिंगटन डीसी के पास होते।

इस मजाक के बीच, न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी इयान स्मिथ ने भी भारतीय गेंदबाजों की नो बॉल पर टिप्पणी की। उन्होंने मजाक में कहा, ओह डियर, एक और नो बॉल। सनी जी कहां हैं? वह उनके पीछे हाथ में माइक लेकर भागेंगे। इस पर सुनील गावस्कर ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा, हां, चिंता मत करो। मैंने रनिंग शूज पहने हैं। हालांकि, यह एक ऐसी चीज है जिसको गंभीरता से देखना होगा।इस टेस्ट मैच में भारतीय टीम की गेंदबाजी में सुधार की आवश्यकता है, खासकर नो बॉल की समस्या को लेकर। इस मुद्दे पर सुनील गावस्कर का गुस्सा दर्शाता है कि यह एक गंभीर विषय है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आगे के मैचों में भारतीय गेंदबाजों को अपने अनुशासन को सुधारने की जरूरत है, ताकि वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी गेंदबाजी में लचीलापन दिखाया। रविंद्र जडेजा ने शानदार गेंदबाजी की और वाशिंगटन सुंदर ने 4 विकेट झटके। इसके अलावा, अकाश दीप ने भी 1 विकेट हासिल किया, जिससे न्यूजीलैंड की टीम को अच्छी स्थिति में लाना संभव हुआ।

# ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम अब नहीं खेलेगी अभ्यास मैच

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले होने वाला अभ्यास मुकाबला स्थगित हो गया है। भारतीय टीम को 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 मैचों की सीरीज खेलनी है। इससे पहले भारतीय टीम को ए टीम के साथ एक इंट्रा स्क्वॉड मैच खेलना था पर तीन दिवसीय इस इंट्रा स्क्वॉड मैच को अब रद्द कर दिया गया है। भारतीय टीम प्रबंधन इंट्रास्क्वॉड मैच खेलने की जगह पर नेट प्रैक्टिस पर ध्यान देना चाहती है। भारत की ए टीम भी इस इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर रहेगी और उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई ए टीम से होगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। वहीं भारतीय टीम ए टीम 15 से 17 नवंबर के बीच पर्थ में रूतुराज गायकवाड की कप्तानी में भारतय टीम से अभ्यास मैच खेलने वाली थी पर अब ये मैच नहीं होगा। इसका कारण है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर और वरिष्ठ खिलाड़ी नेट पर अधिक समय बिताना चाहते हैं। भारतीय टीम न्यूजीलैंड से घरेलू श्रृंखला समापत होने के बाद ऑस्ट्रेलिया जायेगी। ऑस्ट्रेलिया में

लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतने का लक्ष्य लेकर जाने वाली भारतीय टीम पर अतिरिक्त दबाव होगा क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में हार से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल में उसकी जगह भी दांव पर लगी है।

माना जाता है कि वाका की पिच पर्थ स्टेडियम की पिच की तरह ही है। ऐसे में शीर्षक्रम के बल्लेबाज पिच पर अधिक समय बिताना चाहते हैं। इसी को लेकर टीम के भीतर आपस में मैच को सही नहीं माना जा रहा क्योंकि अगर कोई बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाता है तो उसे जल्दी दोबारा पिच पर उतरने का समय नहीं मिलेगा। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों पर अभ्यास मैच भी खेले थे।

# अगले सत्र में नरसिंहगढ स्टेडियम हो सकता है केकेआर का घरेलू मैदान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोलकाता के ईडन गार्डन में जारी नवीनीकरण के काम को देखते हुए अब कोलकाता नाइटनराइडर्स (केकेआर) की टीम त्रिपुरा के नरसिंहगढ में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 2025 में अपने घरेलू मुकाबले खेल सकती है। नरसिंहगढ स्टेडियम का निर्माण 2017 में शुरू हुआ था। इसका काम अगले साल की शुरुआत में पूरा हो सकता है। त्रिपुरा क्रिकेट संघ के सचिव सुब्रत डे ने कहा,'' आईपीएल अध्यक्ष अरूण कुमार धूमल ने हाल ही में स्टेडियम का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि अगर फरवरी तक स्टेडियम तैयार हो जाता है तो यह केकेआर का दूसरा घरेलू मैदान हो सकता है। हमारे पास आईपीएल मैचों की मेजबानी का सुनहरा मौका है इसीलिए हमने मशहूर कंस्ट्रक्शन एजेंसी को काम फरवरी 2025 तक पूरा करने के लिये कहा है।''वहीं केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर आईपीएल 2024 का खिताब जीता था। केकेआर ने इसके फाइनल में आसानी से जीत हासिल की थी। अभी तक केकेआर का घरेलू मैदान ईडन गार्डन रहा था. लेकिन आने वाले समय में यह बदल सकता है।

# संचारी रोगों के नियंत्रण तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की उपचार सुविधाएं बेहतर करने के निर्देश

## नवीन भवन का निर्माण तय समय सीमा में पूरा करें : उप मुख्यमंत्री

### जिला अस्पताल को श्रेष्ठ उपचार का केन्द्र बनाए : उप मुख्यमंत्री

**मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र।** उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय के सभागार में आयोजित बैठक में अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल में उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं उपलब्ध हैं। नए ओपीडी भवन का निर्माण पूरा होने के बाद इसकी सुविधाओं में और वृद्धि होगी। अस्पताल की सुविधाओं का पूरा उपयोग करके इसे श्रेष्ठ उपचार का केन्द्र बनाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन शासन के निर्देशों के अनुरूप 70 साल से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं। इससे बुजुर्ग रोगियों को हर साल पाँच लाख रुपए के उपचार की सुविधा मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में दो चरणों में स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाए गए। इनमें चिन्हित गंभीर रोगियों के उपचार का लगातार फ्लोअप करें। प्रत्येक चिन्हित रोगी को उपचार की पूरी सुविधा दें। मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का चिन्हांकन करने के लिए जिले भर में अभियान चलाएं। आपरेशन योग्य बच्चों को राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत आपरेशन की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है।

उप मुख्यमंत्री ने संचारी रोगों के नियंत्रण तथा सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की उपचार सुविधाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों सहित चिकित्साकर्मियों के पद बड़ी संख्या में भरे जा रहे हैं। हर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की जाएगी। नवीन अस्पतालों में डॉक्टरों और स्टाफनर्स के पदों की पूर्ति सुनिश्चित करें।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद जिला अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन नवीन ओपीडी भवन के निर्माण का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा करें, जिससे आमजनता को समय पर उपचार सुविधाओं का लाभ दिया जा सके। सिविल सर्जन निर्माण कार्यों की प्रगति की नियमित रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

सभी ब्लॉक मेडिकल आफीसर भी अपने क्षेत्र में निर्माणाधीन स्वास्थ्य संस्था के भवनों की प्रगति की नियमित जानकारी दें। लापरवाही करने वाली निर्माण एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें।

## बाइक को डीसीएम ने मारी टक्कर

### हादसे में युवक की मौत, बाजार से लौट रहा था घर

**मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र।** चित्रकूट के भरतकूप थाना क्षेत्र में बांदा-चित्रकूट मुख्य मार्ग पर शनिवार शाम को एक हादसा हुआ। जिसमें एक बाइक सवार की जान चली गई। 28 वर्षीय संजय पुत्र बाबूलाल, निवासी बगलई (कोतवाली कर्वी) अपनी बाइक से अतर्रा के सढ़ा नरदहा से अपने गांव लौट रहा था। पतौड़ा मोड़ के पास बाइक को डीसीएम ने टक्कर मार दी।

जिससे संजय की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसके परिवार को हादसे की जानकारी दी। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और संजय की पहचान की। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया।

**पुलिस कर रही है जांच:** रविवार दोपहर करीब 12:00 बजे शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया। इस हादसे से संजय के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## देर रात सड़क हादसा

### स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकराकर डिवाइडर पर चढ़ी दर्शनार्थियों से भरी बस, किशोरी घायल

**मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र।** सतना शहर में सर्किट हाउस के पास शनिवार देर रात एक बस हादसे का शिकार हो गई। बस में 40 दर्शनार्थी सवार थे। एक किशोरी घायल हुई है, वहीं अन्य यात्रियों को मामूली चोट आई हैं।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को देर रात शहर के सर्किट हाउस से रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाले मार्ग पर आयुष्यमान मोड़ के पास बस नंबर एमपी 19 पी 0672 दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकराकर रोड डिवाइडर पर जाए चढ़ी। बस की टक्कर से स्ट्रीट लाइट का खंभा सड़क पर गिर गया और तार टूटने से उस पर बिजली का करंट उतर आया। उस वक्त बस में 40 यात्री सवार थे,उनमे से कई नींद में भी थे। बस टकराते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई और वे उतर कर बाहर की तरफ भागे जबकि बस का ड्राइवर भाग निकला। दुर्घटना में शालिनी सिंह (16) को ज्यादा चोट आई हैं, उसे अस्पताल ले जाया गया है। शेष अन्य यात्रियों में से सिर्फ कुछ मामूली रूप से घायल हुए हैं।

यात्रियों ने बताया कि वे सभी मैहर के रिवारा और आसपास के अन्य गांवों के रहने वाले हैं। सभी लोग चित्रकूट के दीपावली मेले में शामिल होकर दीपदान करने गए थे। वापसी में उन्हें ये बस मिल गई लिहाजा सभी लोग उस पर सवार हो गए।

**करंट उतरा, बंद की गई बिजली सप्लाई:** बस ने जिस खंभे को टक्कर मारी वो स्ट्रीट लाइट का था। रात का वक्त होने के कारण स्ट्रीट लाइट चालू भी थी। टक्कर के बाद खम्भा सड़क पर गिरा और उसमे करंट उतर आया। इसकी सूचना बिजली कंपनी को दी गई। टीम ने देर रात बिजली सप्लाई बंद की।

**सड़क पर बैठे रहे यात्री:** चित्रकूट से दर्शन-पूजन और दीपदान कर लौट रहे दर्शनार्थी बस दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद अपना डेरा - सामान समेटे सड़क पर ही बैठे रहे। उनके पास घर वापस जाने के लिए कोई साधन नहीं था। वे बस मालिक का इंतजार कर रहे थे लेकिन देर रात तक वो वहां नहीं पहुंचा था। हालांकि पुलिस मौके पर मौजूद थी।

### युवा, नारी, किसान और गरीब को सम्पन्न बनाना ही है लक्ष्य : मुख्यमंत्री

## प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने की पहल करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य

**मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा हैं कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिये एक जनवरी से 4 नये मिशन प्रारंभ करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दशकों से उपेक्षा के शिकार रहे समाज के विभिन्न वर्गों के जीवन को बदलने का संकल्प लिया है। हमारी सरकार युवा, नारी, किसान और गरीब वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण के जनवरी-2025 में मिशन मोड में प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य करने जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं, नारी, किसानों और गरीबों के अभावग्रस्त जीवन के आर्थिक उन्नयन के साथ उनमें आत्म-विश्वास भरने और उनके जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प लिया है। मध्यप्रदेश सरकार इन वर्गों के आर्थिक विकास के लिये ठोस पहल कर रही है। प्रदेश में एक जनवरी 2025 से 4 मिशन- युवा शक्ति मिशन, गरीब कल्याण मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को पूरा करने की पहल करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा शक्ति मिशन में युवाओं को रोजगार, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर प्रदान कर सशक्त बनाने का कार्य किया जायेगा। गरीब कल्याण मिशन में गरीब और वंचित वर्गों को सामाजिक सुरक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की जायेंगी। नारी सशक्तिकरण मिशन में महिलाओं को आत्म-निर्भर बनाने के साथ उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनायेंगे। किसान कल्याण मिशन में किसानों की आय में वृद्धि करने के साथ कृषि को और अधिक लाभकारी व्यवसाय बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार करने के लिये वर्तमान वित्तीय वर्ष में साढ़े 3 लाख करोड़ से अधिक राशि का लोक कल्याणकारी बजट पारित किया गया। सरकार ने तय किया है कि आने वाले वर्षों में बजट को दोगुना किया जायेगा। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को सशक्त बनाने के लिये किये जाने वाले कार्यों में जनता की सहभागिता सुनिश्चित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाने में प्रदेश की जनता का विश्वास हमें संबल प्रदान करता है। हमारे साढ़े 8 करोड़ प्रदेशवासी मिलकर विकास की दिशा में जब काम करेंगे, तो विकास के नये आयाम प्रदेश में रचे जायेंगे।

## रेलवे स्टेशन परिसर पर कार का कहर

### वीआईपी गेट के सामने राहगीर को कुचला, मृतक को अस्पताल में छोड़कर भागे लोग

**मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र।** सतना रेलवे स्टेशन कैंपस में कार के कहर ने एक राहगीर की जान ले ली। वह कार के पहियों तले कुचल गया। कार सवार उसे अस्पताल तो ले गए, लेकिन मौत की जानकारी लगते ही वहां से भाग भी निकले।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार की रात सतना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बने वीआईपी गेट के सामने स्विफ्ट कार नंबर एमपी 19 सीए 0101 ने एक राहगीर को कुचल दिया। कार की नंबर प्लेट पर एमपी गॉर्मेन्ट लिखा हुआ था। गाड़ी शांति सदन कोटर निवासी किसी प्रवीण कुमार वर्मा के नाम रजिस्टर्ड है।

राहगीर कार के पास ही बैठा था, तभी चालक ने कार आगे बढ़ा दी। राहगीर उसके पहियों के नीचे आ गया। राहगीर के फंस जाने के कारण कार के पहिए आगे नहीं बढ़े तो ड्राइवर ने कार को आगे पीछे करने की भी कोशिश कर डाली। लोगों ने देख कर शोर मचाया तो ड्राइवर नीचे उतरा और फिर किसी तरह जैक लगा कर और लोगों की मदद से कार को उठा कर राहगीर को बाहर निकाला गया। कार सवार उसे आनन-फानन में सतना जिला अस्पताल ले गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राहगीर की मौत की जानकारी मिलते ही कार चालक वहां से चुपचाप भाग निकला।

मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। उसे स्टेशन परिसर में ही देखा जाता था। लेकिन वह कौन है और कहां से आया था,यह फिलहाल पता नहीं चल सका है। जीआरपी ने घटना की जांच और मृतक की शिनाख्त की कोशिश शुरू कर दी है।

## गैरेज में लगी भीषण आग

### 7 मोटरसाइकिलें जलकर खाक, प्रशासन ने दिया मदद का आश्वासन

**मीडिया ऑडीटर, मऊ निप्र।** मऊ नगर पंचायत के टाकीज रोड के सामने राजकुमार निषाद के गैरेज में आज अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग लगने से राजकुमार की मोटरसाइकिल की दुकान में रखी 7 गाड़ियां जलकर खाक हो गईं।

**7 गाड़ियां खाक:** राजकुमार ने बताया कि उसकी दुकान में गाड़ियां मरम्मत के लिए आई थीं, जिनमें से कई ग्राहक की थीं। आग लगने से दुकान का कुछ सामान भी जल गया। उन्होंने कहा कि वह एक गरीब परिवार से हैं और इस नुकसान की भरपाई कैसे करेंगे, यह उनकी चिंता का विषय है।

**आग पर नियंत्रण:** ग्रामीणों और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। घटना के बाद मौके पर मऊ के लेखपाल संगम लाल ने पीड़ित दुकानदार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। थाना प्रभारी विनोद कुमार राय और अन्य समाजसेवी भी मौके पर पहुंचे थे और नुकसान की स्थिति का जायजा लिया।

## भतीजे ने की चाची की हत्या, गिरफ्तार

### बेटी को थप्पड़ मारने पर महिला ने लगाई थी डांट, आरोपी ने माफी नहीं मांगने पर हत्या कर दी

**मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र।** शहर के कोठी थाना क्षेत्र के रमपुरा में गोवर्धन पूजा के दिन महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके भतीजे को गिरफ्तार किया। भतीजे ने ही गुस्से में अपनी चाची की कुल्हाड़ी से हत्या की थी।

दरअसल, आरोपी संतोष यादव ने किसी बात पर अपनी चचेरी बहन को थप्पड़ मार दिया था। जिसके बाद चाची ने उसे सबके सामने डांटा। इसी बात से आरोपी नाराज था। वह चाहता था कि चाची उससे माफी मांगी। पुलिस ने बताया कि रमपुरा के अहिरान टोला में गोवर्धन पूजा के दिन सुनैना यादव (36) पति संजय यादव की हत्या के मामले में सुनील यादव पिता संतोष यादव (26) को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी सुनील मृतका का भतीजा है। वह घटना के बाद से ही गायब था, जबकि उसकी चप्पल और मोबाइल फोन घटनास्थल पर पड़ा मिला। उन पर शुरू से ही संदेह जताया जा रहा था।

**चचेरी बहन को मारा था थप्पड़:** पुलिस ने आरोपी से हुई पूछताछ के आधार पर बताया कि लगभग एक महीने पहले आरोपी सुनील ने सुनैना की बेटी यानी अपनी चचेरी बहन को थप्पड़ मार दिया था। इस बात पर सुनैना ने आरोपी को भला-बुरा कहा था और कई लोगों के सामने गाली-गलौज कर अपमानित किया था। इस बात से सुनील काफी आक्रोशित और तब से खुन्नस पाले बैठा था। वह चाहता था कि उसकी चाची उससे सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिसके बाद उसने बदला लेने का मौका तलाशना शुरू कर दिया।

**अकेला पाकर कुल्हाड़ी से हमला किया:** गोवर्धन पूजा यानी 2 नवंबर के दिन सुनैना के बच्चे बड़े पिता के साथ अहरी चले गए थे, जबकि सुनैना का पति संजय खेत चला गया था। घर में लोगों की गैरमौजूदगी का फायदा उठाते हुए सुनील ने सुनैना पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। पहला वार दीवार पर लगा लेकिन अगले वार ने सुनैना की जान ले ली। वारदात के बाद सुनील घर की दीवार कूद कर खेत की तरफ भाग गया। वह एक नाले के पास छिपा बैठा था। पुलिस ने वारदात के चंद घंटो के अंदर ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

# रामकिंकर जन्म शताब्दी पर समारोह का आयोजन

## तीन दिवसीय कार्यक्रम में जुटेंगे देशभर के संत, मोहन भागवत करेंगे शिरकत

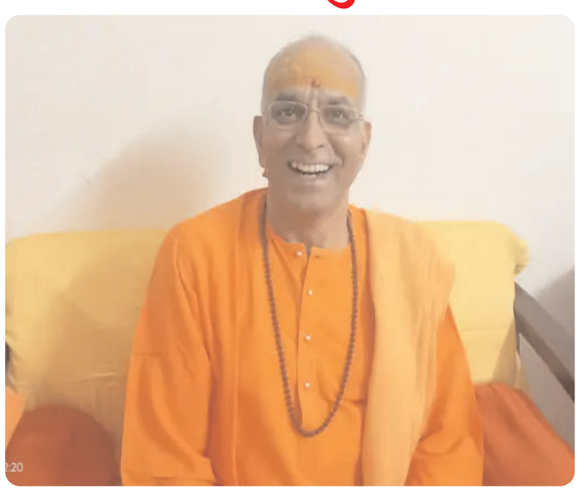

**मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र।** चित्रकूट में रामकिंकर महाराज की जन्म शताब्दी के अवसर पर तीन दिवसीय भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 4 नवंबर से 7 नवंबर तक चलेगा। जिसमें देशभर के प्रमुख संत एवं गणमान्य लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्य भूमिका मैथिली शरण महाराज निभाएंगे। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत समेत कई दिग्गज संत इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

**15 संतों को किया जाएगा सम्मानित:** इस खास आयोजन में भक्ति के रंग बिखेरते हुए मुरारी बापू, प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी, श्रवण आनंद और वंदना सिंह अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भाव विभोर करेंगे। समारोह में 15 संतों को 'भारत भूषण सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा।

इस दौरान संत बालक रामशरण, प्रेम शरण, मनोज मोहन, बिना देसाई, अनामिका तिवारी, गीतांजलि मित्तल, संगीता शर्मा, कामता प्रसाद, लखनलाल, सोमदत्त, शिव दत्त, आशीष संतराम, प्रत्यय आनंद और राम मनोहर जैसे प्रमुख संतों के नाम शामिल हैं।

**28 जिलों के संघ पदाधिकारी रहेंगे मौजूद:** मैथिली शरण महाराज ने बताया कि रामकिंकर महाराज की जन्म शताब्दी पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समारोह आयोजित हो रहा है। इस बार की विशेषता है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति से कार्यक्रम का महत्व और बढ़ जाएगा। मोहन भागवत चित्रकूट में संघ के वर्ग में भी हिस्सा लेंगे। जहां महाकौशल प्रांत के 28 जिलों के संघ पदाधिकारी और स्वयंसेवक मौजूद रहेंगे। उनके साथ अखिल भारतीय प्रमुख दीपक और क्षेत्रीय प्रचारक भी उपस्थित रहेंगे।

**सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना का प्रवाह:** संघ प्रमुख मोहन भागवत का चित्रकूट प्रवास दो दिवसीय रहेगा। यह कोई पहली बार नहीं है, इससे पहले भी भागवत कई बार चित्रकूट में प्रवास कर चुके हैं। संघ के वर्गों में भागीदारी कर चुके हैं।

चित्रकूट के लोग इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभर से आए संतों और संघ के पदाधिकारियों के अनुभव से लाभान्वित होंगे। वहीं रामकिंकर महाराज की शताब्दी समारोह के इस आयोजन से सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना का प्रवाह होगा।

### आयुष्मान योजना का सभी बुजुर्गों को मिलेगा समुचित लाभ

## आयुष्मान योजना का 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा लाभ

**मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र।** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुसार आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस क्रम में राज्य शासन ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच दिया जाना सुनिश्चित किया है। इस संबंध में आदेश भी कर दिये गये हैं। इससे वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेगी। बुर्जुगों को आर्थिक चिंताओं से मुक्त करते हुए एक स्वस्थ और सम्मान पूर्ण जीवन जीने में सहायता मिल सकेगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि आयुष्मान योजना के नए प्रावधान 29 अक्टूबर 2024 से लागू हो गए हैं। योजना के लिये पात्रता का निर्धारण केवल आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड एवं समग्र फैमिली आईडी की आवश्यकता होगी। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को योजना में एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जा रहा है। जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के है और जिनके परिवार पहले से ही योजना के तहत कवर हैं, उन्हें अपने लिए अतिरिक्त 5 लाख रूपये तक की वार्षिक टॉप-अप कवरेज मिलेगी, जिसे वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों (जो 70 वर्ष से कम आयु के हैं) के साथ साझा नहीं करेंगे। योजना में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के अन्य सभी वरिष्ठ नागरिकों को पारिवारिक आधार पर 5 लाख रूपये तक की वार्षिक कवरेज मिलेगा। जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के है और केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना, पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना, आयुष्मान सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स जैसी अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का लाभ उठा रहे है, वे अपनी मौजूदा योजना या इस योजना में से किसी एक को चुन सकते हैं। योजना चयन करने का विकल्प एक बार ही दिया जाएगा। योजना में स्पष्ट किया गया है कि 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वे वरिष्ठ नागरिक जो निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं या कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत आते हैं, वे भी इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे। जिला अस्पताल सहित सभी अस्पतालों में आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड निःशुल्क बनाए जा रहे हैं। नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में भी आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा दी गई है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से योजना में चिन्हित 1048 अस्पतालों में उपचार की सुविधा दी जा रही है।

## राज्यमंत्री ने किये भरजुना मंदिर में दर्शन

**मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र।** नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी गत दिवस रैगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भरजुना में मां काली मंदिर में पूजा अर्चना की। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।